▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 298 ▸▸ मुंबई, रविवार, 4 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

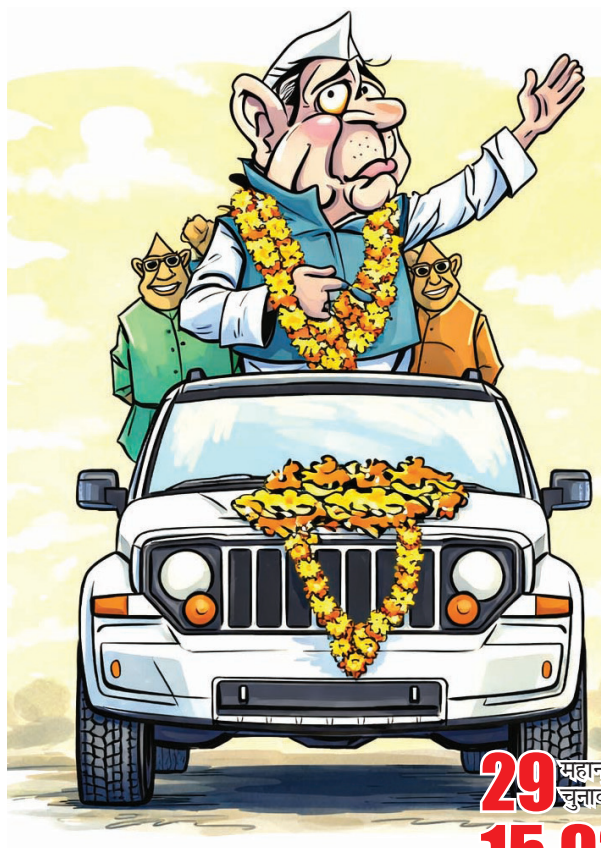

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

निकाय चुनाव की तस्वीर साफ

29 महानगरपालिका चुनावों के लिए

15,931 उम्मीदवार मैदान में

चुनाव आयोग ने जारी की अंतिम सूची

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने महानगरपालिका चुनाव 2025–26 के लिए अंतिम उम्मीदवारों की सूची शनिवार को जारी कर दी है। राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में कुल 15,931 उम्मीदवार 2,869 सदस्य पदों के लिए चुनावी मैदान में हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, कुल 33,427 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे। जांच के बाद 24,771 नामांकन वैध पाए गए। इनमें से 8,840 उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली, जिसके बाद अंतिम रूप से 15,931 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

बृहन्मुंबई में सबसे अधिक उम्मीदवार

बृहन्मुंबई महानगरपालिका में सबसे अधिक 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो 227 प्रभागों की 227 सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यहां कुल 2,516 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे, जिनमें से 2,153 वैध पाए गए और 453 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया। पुणे महानगरपालिका दूसरे स्थान पर है, जहां 1,166 उम्मीदवार 165 सीटों के लिए मुकाबला करेंगे। पुणे में सबसे अधिक 968 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया।

नासिक और पुणे में सर्वाधिक नामांकन वापसी

नासिक महानगरपालिका में 661 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया, जबकि पुणे में यह संख्या 968 रही। पुणे में कुल 3,061 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जो राज्य की सभी महानगरपालिकाओं में सबसे अधिक हैं। नासिक में 2,356 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे।

चुनाव की तैयारियां पूरी

राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के 893 प्रभागों में 2,869 सदस्य पदों के लिए होने वाले चुनावों की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य चुनाव आयोग ने सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है और मतदान की तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

नागपुर सहित अन्य प्रमुख मनपाओं की स्थिति

नागपुर महानगरपालिका के 38 प्रभागों की 151 सीटों के लिए 1,442 नामांकन दाखिल किए गए थे। इनमें से 1,293 नामांकन वैध पाए गए, लेकिन 300 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया। अब नागपुर में 993 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। ठाणे महानगरपालिका में 656 उम्मीदवार 131 सीटों के लिए, नासिक में 735 उम्मीदवार 122 सीटों के लिए, नवी मुंबई में 499 उम्मीदवार 111 सीटों के लिए, कल्याण–डोंबिवली में 489 उम्मीदवार 122 सीटों के लिए और पिंपरी–चिंचवड में 692 उम्मीदवार 128 सीटों के लिए चुनाव लड़ेंगे।

इचलकरंजी में सबसे कम उम्मीदवार

इचलकरंजी महानगरपालिका में सबसे कम 230 उम्मीदवार 65 सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। यहां 456 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से 383 वैध पाए गए और 153 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया। पनवेल में 255 उम्मीदवार 78 सीटों के लिए, अहिल्यानगर में 283 उम्मीदवार 68 सीटों के लिए और मालेगांव में 301 उम्मीदवार 84 सीटों के लिए मैदान में हैं।

निर्विरोध जीते नगरसेवकों पर सख्ती, जीत के ऐलान पर रोक

निर्विरोध चुने गए नगरसेवकों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि जब तक विस्तृत जांच पूरी नहीं होगी, तब तक ऐसे उम्मीदवारों को विजेता घोषित नहीं किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि जिन उम्मीदवारों का निर्विरोध चुनाव हुआ है, उनके संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर को एक-एक उम्मीदवार की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को सौंपनी होगी। इन रिपोर्टों की जांच और स्क्रूटनी SEC खुद करेगा, और उसके बाद ही संबंधित उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से विजेता घोषित किया जाएगा।

26/11 के हीरो को मिली मुंबई की कमान

- सदानंद दाते बने महाराष्ट्र के नए डीजीपी
- कार्यभार संभाला, मुख्यमंत्री फडणवीस से की मुलाकात

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

26/11 आतंकी हमले के हीरो और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते ने शनिवार को महाराष्ट्र के नए पुलिस महानिदेशक (DGP) का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने राज्य पुलिस मुख्यालय में रश्मि शुक्ला से चार्ज लिया, जो महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी थीं और आज सेवानिवृत्त हो गईं। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी दाते को 31 दिसंबर को डीजीपी नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। इससे पहले सदानंद दाते राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के प्रमुख थे। 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान वे मुंबई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त थे।

फर्श से अर्श तक: एक प्रेरणादायक जीवन गाथा

सदानंद दाते का जीवन संघर्ष और सफलता की एक मिसाल है। एक गरीब परिवार में जन्मे दाते ने बचपन में अखबार बांटकर अपनी पढ़ाई पूरी की, जबकि उनकी मां दूसरों के घरों में काम कर परिवार का पालन-पोषण करती थीं। अपनी मेहनत के दम पर आईपीएस बनने के बाद उन्होंने सीबीआई, एटीएस और मीरा-भायंदर के पहले पुलिस कमिश्नर के रूप में शानदार सेवाएं दीं। उनकी वीरता के लिए उन्हें राष्ट्रपति के वीरता पदक से भी नवाजा जा चुका है। आज उनका डीजीपी बनना उन सभी के लिए प्रेरणा है जो विपरीत परिस्थितियों से लड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं।

26/11 की वह रात और दाते का अदम्य साहस

26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई दहल रही थी, तब दाते सेंट्रल रीजन के एडिशनल कमिश्नर थे। हमला उनके कार्यक्षेत्र से बाहर था, लेकिन फर्ज की पुकार पर वह तुरंत मालाबार हिल स्थित अपने घर से सीएसटी की ओर निकल पड़े। रास्ते में एक थाने से कार्बाइन उठाकर उन्होंने मोर्चा संभाला। जब उन्हें पता चला कि आतंकी अजमल कसाब और अबू इस्माईल कामा एंड अलब्लैस अस्पताल में घुसकर महिलाओं और बच्चों को बंधक बना सकते हैं, तो वह अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी टीम के साथ अस्पताल परिसर में दाखिल हो गए। अस्पताल की छत से आतंकी लगातार फायरिंग और ग्रेनेड फेंक रहे थे। कसाब द्वारा फेंका गया एक हैंड ग्रेनेड दाते के करीब फटा, जिससे उनके साथी सब-इंस्पेक्टर प्रकाश मोरे शहीद हो गए और दाते स्वयं गंभीर रूप से घायल हो गए। चेहरे और पैरों में छर्रे धंसने के बावजूद दाते ने पीछे हटने से इनकार कर दिया। उन्होंने घायल सिपाहियों को मदद के लिए भेजा और अकेले ही आतंकियों को करीब 40 मिनट तक छत पर उलझाए रखा, जिससे कई निर्दोष मरीजों की जान बच सकी।

पहली महिला टॉप कॉप रश्मि शुक्ला रिटायर

महाराष्ट्र की पहली महिला टॉप कॉप आईपीएस रश्मि शुक्ला शनिवार को सेवानिवृत्त हो गईं। वह अभी तक एक्टेंशन दिए जाने के बाद राज्य के डीजीपी की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। महाराष्ट्र की पहली महिला आईपीएस और पहली महिला पुलिस महानिदेशक (DGP) रश्मि शुक्ला ने भारतीय पुलिस सेवा में साढ़े 37 साल रहीं। शुक्ला को मुंबई के भोईवाड़ा के नायगांव पुलिस ग्राउंड में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित विदाई समारोह में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की। रश्मि शुक्ला ने विदाई समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि साढ़े 37 साल सेवा करने के बाद मैं भारतीय पुलिस सेवा से रिटायर हो रही हूं। मुझे पुरानी यादें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस ने मुझे बहुत कुछ दिया। मैंने बहुत कुछ सीखा है। सभी ने महाराष्ट्र पुलिस को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक टीम की तरह काम किया। 1988 बैच की IPS रश्मि शुक्ला ने कहा कि मैं बहुत संतुष्ट हूं और महाराष्ट्र पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के अच्छे जीवन और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करती हूं। शुक्ला ने कहा कि महाराष्ट्र डीजीपी का पद लिंग-तटस्थ है। उन्होंने कहा कि पहले, मैंने सशस्त्र सीमा बल (SSB) के महानिदेशक के रूप में काम किया, और मुझे इस पर गर्व है।

2 लाख तक के कृषि ऋण पर स्टाम्प ड्यूटी पूरी तरह माफ

यह निर्णय 1 जनवरी 2026 से प्रभावी, आधिकारिक राजपत्र भी जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने नए साल की शुरुआत के साथ ही राज्य के लाखों किसानों को बड़ी राहत दी है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने घोषणा की है कि अब 2 लाख रुपये तक के कृषि और फसल ऋण से संबंधित सभी दस्तावेजों पर स्टाम्प ड्यूटी (मुद्रांक शुल्क) पूरी तरह माफ कर दी गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार का यह निर्णय 1 जनवरी 2026 से प्रभावी हो चुका है और इसके लिए आधिकारिक राजपत्र भी जारी कर दिया गया है। आगामी जिला परिषद चुनावों से पहले सरकार के इस कदम को किसानों के प्रति एक बड़े समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

अब नहीं देने होंगे अतिरिक्त पैसे

इस महत्वपूर्ण निर्णय का सीधा लाभ किसानों की जेब पर पड़ेगा। अब तक किसानों को प्रति 1 लाख रुपये के ऋण पर 0.3 प्रतिशत की दर से स्टाम्प ड्यूटी चुकानी पड़ती थी, जिसका अर्थ है कि 2 लाख रुपये के ऋण पर किसानों को लगभग 600 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना होता था। अब यह शुल्क शून्य हो जाने से किसानों की प्रत्यक्ष लागत घटेगी। राजस्व मंत्री के अनुसार, स्टाम्प ड्यूटी से बचाए गए इन पैसों का उपयोग किसान खेती के लिए जरूरी बीज, खाद और आधुनिक कृषि उपकरणों की खरीद में कर सकेंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

इन प्रमुख दस्तावेजों पर लागू होगी शुल्क मुक्ति

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने स्पष्ट किया कि ऋण लेने की प्रक्रिया में लगने वाले सभी प्रमुख दस्तावेजों को इस छूट के दायरे में रखा गया है। फसल ऋण के लिए आवश्यक करारनामा, गिरवी रखने का बॉन्ड, हमनामा, गारंटी पत्र और गिरवी सूचना पत्र (Mortgage Notice) जैसे दस्तावेजों पर अब कोई स्टाम्प ड्यूटी नहीं लगेगी। सरकार का मानना है कि यह निर्णय न केवल आर्थिक बोझ कम करेगा, बल्कि किसानों के श्रम को आधार और उनके आत्मविश्वास को बल प्रदान

ब्रीफ न्यूज़

देशभर में 2026 का पहला सुपरमून दिखा

कोलकाता/मुंबई। देशभर में शनिवार की रात सबसे बड़ा चांद यानी सुपरमून दिखाई दे रहा है। यह 2026 का पहला सुपरमून है। इस दौरान चंद्रमा का आकार सामने से करीब 14 गुना बड़ा दिखा। साथ ही 30% ज्यादा चमकीला भी नजर आया। सुपरमून को बिना किसी उपकरण के भी आसानी से देखा जा सकता है लेकिन अगर कोई दूरबीन या छोटा टेलिस्कोप इस्तेमाल करे, तो चांद की सतह की बनावट ज्यादा साफ नजर आती है। यह सुपरमून अक्टूबर से शुरू हुए चार महीनों के सुपरमून रन का आखिरी था। इसके बाद 2026 के अंत में अगला सुपरमून दिखेगा।

एआईएमआईएएम के पूर्व सांसद ने हाथ काटने की धमकी दी

मुंबई। हिजाब विवाद पर एआईएमआईएएम के पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने शनिवार को कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छूने की कोशिश करेगा, तो वह उसका हाथ काट देंगे। जालना में जलील ने कहा– पक्ष और विपक्ष में शामिल कई दल खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं। ये पार्टियां गुंडों और आपराधिक तत्वों का समर्थन तो करती हैं, लेकिन मुसलमानों के हक में खड़े होने से कतराती हैं। इम्तियाज का यह बयान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से हिजाब हटाने की घटना और इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद की टिप्पणी के बाद सामने आया है।

महायुति में 'महा'वॉर'

- भ्रष्टाचार के आरोपों पर अजित पवार और भाजपा आमने-सामने
- आरोप लगाने वाले आज मेरे साथ सत्ता में बैठे हैं : अजित पवार
- हम बोलने लगेंगे, तो अजित दादा मुश्किल में पड़ जाएंगे : रविन्द्र चव्हाण

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों के प्रचार के दौरान महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। भाजपा नेता मुरलीधर मोहोल द्वारा एनसीपी उम्मीदवारों के 'आपराधिक रिकॉर्ड' पर सवाल उठाने के बाद अजित पवार ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उन पर '70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले' के आरोप लगाए थे, वे आज उन्हीं के साथ सत्ता में बैठे हैं। पवार ने स्पष्ट किया कि जब तक अदालत में आरोप साबित न हों, तब तक किसी को दोषी नहीं माना जा सकता। उन्होंने पुणे के एक फरार गैंगस्टर के मामले का जिक्र करते हुए भाजपा को अपने गिरेबान में झांकने की सलाह भी दे डाली।

रवींद्र चव्हाण की चेतावनी

अजित पवार के बयानों से नाराज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शनिवार को कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। चव्हाण ने कहा कि अगर भाजपा ने बोलना शुरू किया और पुराने पन्ने खोले, तो अजित पवार के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली पार्टी की कार्यशैली पर शक कर रहे हैं? भाजपा अध्यक्ष ने इसे 'अहंकार' करार देते हुए कहा कि सत्ता में साथ होने के बावजूद इस तरह की बयानबाजी गठबंधन धर्म के खिलाफ है।

शरद पवार के साथ विलय कर लें अजित : संजय राउत

महायुति के इस अंदरूनी कलह पर तंज कसते हुए शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने नया विवाद छेड़ दिया है। राउत ने कहा कि जब अजित पवार खुद भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, तो उन्हें तुरंत महायुति सरकार छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अजित पवार को अपनी पार्टी का विलय शरद पवार के नेतृत्व वाली मूल एनसीपी में कर लेना चाहिए। राउत ने सवाल किया कि जो नेता भाजपा के साथ रहकर खुश नहीं है और चुनाव के लिए अपने पुराने खेमे में लौट रहा है, उसे सत्ता का मोह छोड़कर आधिकारिक तौर पर घर वापसी कर लेनी चाहिए।

छुट्टियों से लौटी छात्राओं का 'प्रेगनेंसी टेस्ट'

महिला आयोग ने लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर ने सरकारी आवासीय स्कूलों में छुट्टियों से लौटने वाली छात्राओं की अनिवार्य गर्भावस्था जांच को ₹बेहद शर्मनाक₹ करार दिया है। ठाणे के मुरबाड तहसील स्थित मोरोशी स्कूल का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि ऐसी जांच लड़कियों के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को गहराई से ठेस पहुँचाती है। आयोग ने आदिवासी विकास विभाग को निर्देश दिया है कि इस तरह के अपमानजनक परीक्षणों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। चाकणकर के अनुसार, यह छात्राओं की निजता का उल्लंघन है।

स्कूल में छात्रा की आत्महत्या और गंभीर सुरक्षा चूक

यह मामला तब प्रकाश में आया जब चाकणकर 25 दिसंबर को 10वीं कक्षा की एक आदिवासी छात्रा द्वारा की गई कथित आत्महत्या की जांच करने स्कूल पहुँची थीं। प्रारंभिक जांच में स्कूल प्रशासन की कई गंभीर खामियाँ सामने आईं। चौंकाने वाली बात यह है कि छुट्टियों के दौरान उन व्यक्तियों को भी लड़कियों को घर ले जाने की अनुमति दी गई, जिनका नाम 'नजदीकी रिश्तेदार' के रूप में दर्ज नहीं था। पुलिस ने पहले ही एक 17 वर्षीय किशोर को यौन उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पॉक्सो एक्ट के तहत हिरासत में लिया है।

शहरी विकास को लेकर महाराष्ट्र सरकार का दृष्टिकोण दीर्घकालिक : फडणवीस

सांगली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को सांगली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए 'आधुनिक शहर' का विजन पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि सांगली में हवाई अड्डे के निर्माण के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट पर काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने 88 सदस्यीय सांगली-मिराज-कुपवाड़ नगर निगम के मतदाताओं से 15 जनवरी को होने वाले चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन को पूर्ण बहुमत देने की अपील की, ताकि केंद्र और राज्य की तर्ज पर स्थानीय स्तर पर भी विकास की गति बनी रहे। मुख्यमंत्री ने सांगली के लिए ट्रक टर्मिनल और मिराज की प्रसिद्ध संगीत परंपरा को सहेजने हेतु संगीत विरासत पार्क व वाद्य यंत्र संग्रहालय बनाने का वादा किया। सामाजिक सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अतिक्रमणों को नियमित कर झुग्गीवासियों को पुनर्विकास में स्वामित्व अधिकार देगी।

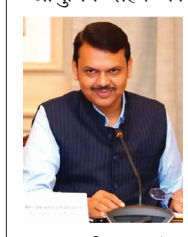

इंदौर पेयजल त्रासदी > कैग की 2019 की रिपोर्ट ने पहले ही किया था आगाह

कैग रिपोर्ट की अनदेखी के कारण हुईं मौतें

एजेंसी । इंदौर

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण हुई मौतों को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। गैर सरकारी संगठन 'जन स्वास्थ्य अभियान मध्यप्रदेश' ने दावा किया है कि यह त्रासदी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 2019 की रिपोर्ट की अनदेखी का सीधा परिणाम है। संगठन के संयोजक अमूल्य निधि के अनुसार, वर्षों पहले ही रिपोर्ट में शहर के पेयजल आपूर्ति तंत्र की गंभीर कमियों को उजागर किया गया था, लेकिन प्रशासन ने इन पर ध्यान नहीं दिया।

जल जनित बीमारियों के चौंकाने वाले आंकड़े

एनजीओ ने कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 2013 से 2018 के बीच इंदौर और भोपाल में जल जनित बीमारियों के कुल 5.45 लाख मामले दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर के 5.33 लाख और भोपाल के 3.62 लाख परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं था।

पाइपलाइन लीकेज और प्रशासनिक सुस्ती पर प्रहार

रिपोर्ट में की कार्यशैली पर भी तीखे सवाल उठाए गए हैं। खुलासे के मुताबिक, इंदौर और भोपाल के नगर निगम पाइपलाइन लीकेज की शिकायतों को दूर करने में 22 से लेकर 108 दिन तक का समय ले रहे थे। पाइपलाइनों में लंबे समय तक रहने वाले लीकेज ही पानी में गटर के पानी के मिलने का मुख्य कारण बनते हैं।

मंगेश कालोखे हत्याकांड

दो और कॉन्ट्रैक्ट किलर गिरफ्तार

एनसीपी के बड़े नेताओं की भूमिका की जांच तेज

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

रायगढ़ जिले के खोपोली में शिवसेना (शिंदे गुट) की नवनिर्वाचित नगरसेविका मानसी कालोखे के पति मंगेश कालोखे (45) की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में पुलिस ने दो और कॉन्ट्रैक्ट किलरों को दबोच लिया है। पुलिस जांच में यह बात साफ हो चुकी है कि इस हत्याकांड की पटकथा हाल ही में संपन्न हुए नगर परिषद चुनाव के बाद लिखी गई थी। मुख्य साजिशकर्ता रविंद्र देवकर ने अपनी पत्नी उर्मिला देवकर (NCP-अजित पवार गुट) की हार का बदला लेने के लिए मंगेश कालोखे की हत्या की साजिश रची थी। देवकर ने तीन कॉन्ट्रैक्ट किलरों को इस वारदात के लिए सुपारी दी थी, जिनमें से एक मुख्य हमलावर अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

26 दिसंबर की सुबह 7 बजे जब मंगेश कालोखे अपनी दो बेटियों

को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे, तब काले रंग की कार में सवार हमलावरों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। व्यस्त चौराहे पर तलवार, कोयता और कुल्हाड़ी से किए गए इस हमले ने पूरे इलाके को दहला दिया था। रायगढ़ की पुलिस अधीक्षक आंचल दलाल के अनुसार, इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए रविंद्र देवकर का बेटा दर्शन देवकर, उसका बॉडीगार्ड और सुपारी पर बुलाए गए अपराधी शामिल थे। पुलिस फरार कॉन्ट्रैक्ट किलर की तलाश में विभिन्न राज्यों में छापेमारी कर रही है।

रायगढ़ एनसीपी अध्यक्ष और प्रवक्ता पुलिस के रडार पर

इस हत्याकांड की गूंज अब रायगढ़ के बड़े राजनीतिक गलियारों तक पहुँच गई है। पुलिस अब एनसीपी (अजित पवार गुट) के जिला अध्यक्ष सुधाकर घारे और प्रवक्ता भारत भगत की भूमिका की बारीकी से जांच कर रही है। मृतक के भतीजे द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी (FIR) में इन दोनों नेताओं के नामों का उल्लेख किया गया है। एसपी आंचल दलाल ने स्पष्ट किया है कि मुख्य कॉन्ट्रैक्ट किलर की गिरफ्तारी के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस साजिश में बड़े नेताओं का सीधा हाथ था या नहीं। फिलहाल, पुलिस इन नेताओं के कॉल रिकॉर्ड्स और हाल की गतिविधियों को खंगाल रही है।

अब तक 11 आरोपी गिरफ्त में

मंगेश कालोखे की हत्या के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य साजिशकर्ता रविंद्र देवकर, उसकी पत्नी उर्मिला, उनके दो बेटे और सहयोगियों सहित अब पकड़े गए दो शूटर शामिल हैं। हालांकि, सामाजिक कार्यकर्ता सचिन चव्हाण और एक अन्य हमलावर अभी भी फरार हैं। इस हत्याकांड ने महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में 'गैंगवार' जैसी स्थिति पैदा कर दी है। पुलिस का दावा है कि शेष फरार आरोपियों को जल्द ही सलाखों के पीछे पहुँचाया जाएगा ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

पैनल 11 'ड' में 'दद्दू' का दबदबा

- 'दद्दू' को मिल रहा जनता का भरपूर प्यार और समर्थन

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के चुनावी समर में पैनल नंबर 11 'ड' से प्रत्याशी सूर्यप्रकाश मिश्रा, जिन्हें क्षेत्र में लोग प्यार से 'दद्दू' पुकारते हैं, एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं। अपनी सरल छवि और मिलनसार स्वभाव के कारण उन्हें समाज के हर वर्ग का अपार स्नेह मिल रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि

दद्दू की पहचान एक ऐसे व्यक्ति की है जो राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा को प्राथमिकता देते हैं। क्षेत्र में उनके प्रति बढ़ता विश्वास विरोधियों के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहा है। सूर्यप्रकाश मिश्रा की सबसे बड़ी ताकत उनकी उपलब्धता है।

वार्ड के लोगों का मानना है कि वे केवल चुनाव के समय नजर आने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि पिछले कई वर्षों से हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहे हैं। किसी के घर में शादी हो या कोई आकस्मिक संकट, 'दद्दू' बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के मदद के लिए पहुँच जाते हैं। गरीबों और जरूरतमंदों के लिए उनके घर के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं, यही वजह है कि जनता उन्हें एक प्रत्याशी से ज्यादा अपने परिवार का सदस्य मान रही है।

'सभी समाज का साथ, क्षेत्र का समग्र विकास'

जनसमर्थन से उत्साहित सूर्यप्रकाश मिश्रा 'दद्दू' ने अपना विजन साझा करते हुए कहा कि उनका संकल्प केवल राजनीति करना नहीं, बल्कि क्षेत्र का वास्तविक विकास करना है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मेरा उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना और युवाओं, महिलाओं एवं मजदूरों के हितों की रक्षा करना है।' वे 'सर्वधर्म समभाव' की नीति पर चलते हुए सभी समाजों को एक साथ लेकर क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं, जैसे सड़क, पानी और स्वच्छता के मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सूर्यप्रकाश मिश्रा ने मतदाताओं से भारी संख्या में बाहर निकलकर मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद ही उनकी असली पूंजी है और वे इसी विश्वास के दम पर क्षेत्र की तस्वीर बदलना चाहते हैं। उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे घर-घर जनसंपर्क में 'दद्दू' के पक्ष में भारी उत्साह देखा जा रहा है, जिससे पैनल नंबर 11 'ड' का मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है।

मानसिक प्रताड़ना के बाद युवक ने दी जान

पत्नी के अश्लील वीडियो मिलने से सदमे में था पति

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के रबाले एमआईडीसी इलाके में रहने वाले 27 वर्षीय युवक विनोद श्रीमंत तुपसौंदर ने अपनी पत्नी और उसके मामा द्वारा दी जा रही कथित मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विनोद की शादी महज छह महीने पहले नासिक की रहने वाली वैष्णवी से हुई थी।

शुरुआती महीनों के बाद, पत्नी का अपने मामा के साथ अत्यधिक बात करना और बार-बार होने वाले विवादों ने घर की शांति भंग कर दी थी। मृतक के परिजनों का आरोप है कि वैष्णवी के अपने मायके चले जाने के बाद, उसके मामा संतोष ढगे ने विनोद के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसकी पत्नी के कुछ अश्लील

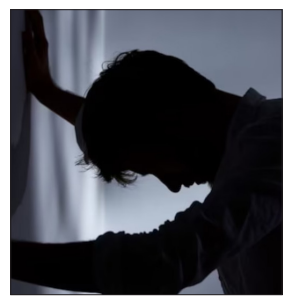

वीडियो भेजे थे।

इन वीडियो को देखने के बाद विनोद गहरे मानसिक आघात (Trauma) में चला गया था। परिजनों के अनुसार, सामाजिक बदनामी का डर और पत्नी के इस व्यवहार से वह इतना टूट गया कि उसने 25 सितंबर की सुबह अपने ही घर में आत्मघाती कदम उठा लिया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विवाद सुलझाने की कोशिशें रहीं नाकाम

जानकारी के अनुसार, वैष्णवी के मायके वालों ने नवी मुंबई आकर विवाद सुलझाने का प्रयास किया था, लेकिन स्थिति और बिगड़ गई। विनोद अक्सर अपनी पत्नी को उसके मामा से चैटिंग करने के लिए टोकता था, जिसे लेकर दोनों के बीच दरार बढ़ती गई। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि सोशल मीडिया पर भेजे गए संदेशों और वीडियो ने विनोद की मानसिक स्थिति को पूरी तरह अस्थिर कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उसने यह चरम कदम उठाया।

पत्नी और मामा के खिलाफ मामला दर्ज

विनोद की बहन द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर रबाले एमआईडीसी पुलिस ने पत्नी वैष्णवी और मामा संतोष ढगे के खिलाफ 'आत्महत्या के लिए उकसाने' का आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विनोद का फोन और सोशल मीडिया चैट्स को जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कॉल रिकॉर्ड्स और डिजिटल सबूतों की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

केडीएमसी में निर्विरोध चुनाव पर सवाल

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) चुनावों के लिए नामांकन वापसी के बाद एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। कई वार्डों में विपक्षी उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लिए जाने के कारण शिवसेना-भाजपा गठबंधन (महायुति) के कम से कम 20 उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने का रास्ता साफ हो गया है। डोंबिवली और कल्याण के विभिन्न पैनलों में विपक्षी दलों के प्रमुख चेहरों के पीछे हटने से सत्ताधारी गठबंधन चुनाव से पहले ही बढ़त बनाता दिख रहा है। हालांकि, इस 'निर्विरोध' की लहर ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा और विवाद दोनों को जन्म दे दिया है। इस स्थिति के

'नोटा' को काल्पनिक उम्मीदवार बनाने की मांग

बीच, आम आदमी पार्टी (AAP) और शहर के कई प्रमुख वकीलों ने लोकतंत्र की शुचिता का मुद्दा उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

'जनता की राय सर्वोपरि'

आम आदमी पार्टी की चुनाव समिति के सलाहकार एडवोकेट आकाश वेदक और जिला अध्यक्ष एडवोकेट धनंजय जोगदंड ने निर्वाचन आयोग को भेजे ई-मेल में स्पष्ट किया है कि मतदान से वंचित करना नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने मांग की है कि यदि एकमात्र उम्मीदवार को 'नोटा' से कम वोट मिलते हैं, तो उस वार्ड में चुनाव रद्द कर पुनः मतदान कराया जाना चाहिए। AAP का तर्क है कि कई बार दबाव या अन्य कारणों से उम्मीदवार पीछे हट जाते हैं, ऐसे में जनता को यह तय करने का मौका मिलना चाहिए कि वे उस अकेले बचे उम्मीदवार को अपना प्रतिनिधि स्वीकार करते हैं या नहीं।

निर्विरोध चुनाव पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

कानूनी विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। एडवोकेट वीणा त्रिपाठी और जागरूक नागरिक राजेंद्र मुकादम ने चेतावनी दी है कि यदि निर्वाचन आयोग नागरिकों को मतदान के अवसर से वंचित करता है, तो वे उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। उनका कहना है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के पूर्व के कुछ आदेशों में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नोटा को विशेष महत्व देने की बात कही गई है। अब देखना यह होगा कि क्या आयोग इस मांग को स्वीकार कर निर्विरोध जीत की राह में 'नोटा' की चुनौती खड़ी करता है या नहीं।

एसीबी की गिरफ्त में रिश्वतखोर पुलिस अधिकारी

- गिरफ्तारी न करने के बदले मांगे थे 20,000 रुपए
- कोर्ट ने दी एक दिन की रिमांड

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में कार्यरत सहायक पुलिस निरीक्षक (API) संजय धोंडीराम बिडगर को ठाणे एंटीकरप्शन ब्यूरो (ACB) की टीम ने 20,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने एक दर्ज मामले में शिकायतकर्ता, उसकी पत्नी और

बेटे को गिरफ्तार न करने और कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने के बदले इस राशि की मांग की थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे गहन पूछताछ के लिए एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। हजारों रुपए वेतन पाने के बावजूद रिश्वतखोरी के इस कृत्य ने पुलिस विभाग की छवि पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

खुद के ही थाने में दर्ज हुआ मामला

रिश्वत की मांग किए जाने के बाद पीड़ित ने ठाणे एंटीकरप्शन ब्यूरो में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की पुष्टि होने पर एसीबी के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटिल और अपर पुलिस अधीक्षक सुहास शिंदे व भागवत सोनावणे के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही एपीआई बिडगर ने रिश्वत की राशि स्वीकार की, टीम ने उन्हें धर दबोचा। विडंबना यह रही कि भ्रष्टाचार के आरोपी इस अधिकारी के खिलाफ उसी के कार्यस्थल यानी उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। विभाग अब इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है कि क्या इस रैकेट में अन्य लोग भी शामिल थे।

अंबरनाथ-बदलापुर में सत्ता संघर्ष का दूसरा चरण

- मनोनीत सदस्यों की भी होगी घोषणा

बदलापुर में 9 और अंबरनाथ में 12 जनवरी को होगा उपाध्यक्ष का चुनाव

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

अंबरनाथ और कुलगांव-बदलापुर नगर परिषदों में नई सरकार के गठन के बाद अब सबकी नजरें उपाध्यक्ष पद के चुनाव और मनोनीत नगरसेवकों की नियुक्ति पर टिकी हैं। जिलाधिकारी के आदेशानुसार, कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद में यह प्रक्रिया 9 जनवरी को संपन्न होगी, जबकि अंबरनाथ नगर परिषद में 12 जनवरी की तारीख तय की गई है। इस घोषणा के साथ ही राजनीतिक गलियारों में लॉबिंग तेज हो गई है, जहाँ हार चुके वरिष्ठ नेता और पार्टी के वफादार कार्यकर्ता मनोनीत सदस्य बनने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।

कुलगांव-बदलापुर : महायुति के बीच सीटों का गणित

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद में महायुति (शिवसेना-भाजपा-राकांपा) का स्पष्ट बहुमत है। यहाँ शिवसेना (शिंदे गुट) के 24 और भाजपा के 22 पार्षदों के साथ अजीत पवार गुट की राकांपा के 3 पार्षद निर्वाचित हुए हैं। चुनावी गठबंधन के दौरान हुए समझौते के अनुसार, भाजपा द्वारा राकांपा को उपाध्यक्ष पद और एक मनोनीत सदस्य देने का वादा किया गया था। इस समीकरण के तहत कुल 5 मनोनीत सदस्यों में से शिवसेना को दो, भाजपा को दो और राकांपा को एक सीट मिलने की प्रबल संभावना है, जिससे तीनों दलों के बीच तालमेल बना रहे।

कौन बन पाएगा मनोनीत नगरसेवक? कड़े हैं पात्रता नियम

मनोनीत नगरसेवक बनने के लिए केवल राजनीतिक रसूख काफी नहीं है, बल्कि कानूनी रूप से कुछ विशेष योग्यताएं होना अनिवार्य है। नियमों के अनुसार, इसके लिए संबंधित व्यक्ति के पास मेडिकल प्रैक्टिशनर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, इंजीनियर, प्रोफेसर या वकील के रूप में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, सरकारी अधिकारी या किसी मान्यता प्राप्त एनजीओ में 5 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्ति भी इस पद के लिए पात्र होंगे। प्रशासन अब इन पदों के लिए आने वाले आवेदनों की बारीकी से जांच करने की तैयारी में है।

अंबरनाथ : पांचवें मनोनीत पद के लिए फंसा पेंच

अंबरनाथ नगर परिषद की स्थिति थोड़ी अलग है, जहाँ शिवसेना (शिंदे गुट) 27 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। यहाँ भाजपा के 14, कांग्रेस के 12 और राकांपा (अजीत पवार) के 4 पार्षद हैं। पाँच मनोनीत नगरसेवकों के चयन में शिवसेना को दो और भाजपा-राकांपा को एक-एक पद मिलना तय माना जा रहा है। हालांकि, पाँचवें मनोनीत पद को लेकर महायुति के भीतर और निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। पार्टी नेतृत्व अब उन चेहरों की तलाश कर रहा है जो भविष्य में संगठन को मजबूती दे सकें।

घणसोली चुनाव अधिकारी को धमकी

आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका के आगामी सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 की सरगर्मियों के बीच एक गंभीर घटना सामने आई है। घणसोली विभाग की चुनाव निर्णय अधिकारी (Returning Officer) और उपजिलाधिकारी कल्पना गोडे को उनके चुनावी कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान एक व्यक्ति द्वारा धमकी देने और उन पर दबाव डालने का प्रयास किया गया है। चुनाव विभाग के अनुसार, संबंधित व्यक्ति ने न केवल चुनाव प्रक्रिया में अवैध हस्तक्षेप किया, बल्कि अधिकारी की छवि खराब करने और उन्हें डराने-धमकाने जैसे कृत्य भी किए। इसे चुनाव की आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) का खुला उल्लंघन माना जा रहा है।

प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने सीधे चुनाव निर्णय अधिकारी के निजी मोबाइल और

व्हाट्सएप पर संपर्क कर उन्हें धमकी दी। इसके अलावा, चुनाव अधिकारी के खिलाफ द्वेषपूर्ण और अपमानजनक सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई ताकि उन पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा सके। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता को खतरे में डालने वाले इस कृत्य को गंभीरता से लेते हुए घणसोली चुनाव विभाग ने स्थानीय पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कर कानूनी जांच शुरू कर दी है।

चुनाव विभाग की सख्त चेतावनी

इस प्रकरण के बाद नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया एक संवैधानिक जिम्मेदारी है। विभाग ने चेतावनी दी है कि किसी भी चुनाव अधिकारी या कर्मचारी पर दबाव डालने, धमकी देने या सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने कहा है कि ऐसे मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी और कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि चुनाव की पवित्रता और सुरक्षा बनी रहे।

निष्पक्ष चुनाव के लिए शांतिपूर्ण सहयोग की अपील

महानगरपालिका चुनाव विभाग ने सभी नागरिकों, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे कानून का पालन करें। प्रशासन ने दोहराया है कि नवी मुंबई की पूरी चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संचालित की जा रही है। 15 जनवरी को होने वाले मतदान को सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध हस्तक्षेप की कोशिश करने वालों के खिलाफ प्रशासन पूरी सख्ती से निपटेगा।

सरनाईक और मेहता के बीच छिड़ी जुबानी जंग

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव के रण में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। कार्यकर्ताओं के दल-बदल और बढ़ते आरोपों-प्रत्यारोपों के कारण कड़ाके की ठंड में भी शहर का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। विधायक नरेंद्र मेहता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर प्रताप सरनाईक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अपनी निश्चित हार को देखते हुए विपक्षी दल हिंदू मतदाताओं को गुमराह करने और उनके मतों के विभाजन की साजिश रच रहे हैं। मेहता का दावा है कि भाजपा उम्मीदवारों को घेरने

धनुष पर तीर चढ़ाकर प्रत्यंचा खींच दी है : प्रताप सरनाईक

कमल को घेरने की साजिश का देंगे मुँह तोड़ जवाब : नरेंद्र मेहता

के लिए रणनीतिक तौर पर हिंदू बहुल क्षेत्रों में केवल 'वोट-कटुआ' उम्मीदवार खड़े किए गए हैं।

प्रभाग-वार उम्मीदवारों की सूची प्रस्तुत

नरेंद्र मेहता ने प्रभाग-वार उम्मीदवारों की सूची प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रभाग क्रमांक 16 में शिवसेना (शिंदे) के जिलाध्यक्ष राजू भोईर उम्मीदवार हैं और वहां कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि प्रताप सरनाईक ने प्रभाग क्रमांक 21 में अपनी उम्मीदवारी न जताकर कांग्रेस को परोक्ष रूप से समर्थन दिया है। मेहता ने नागरिकों से अपील की है कि वे 'बँटने और छंटने' के बजाय एकजुट होकर 15 जनवरी को फिर से कमल खिलाएं और इस साजिश को विफल करें।

प्रताप सरनाईक का पलटवार

दूसरी ओर, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई भाजपा से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत तौर पर नरेंद्र मेहता से है। उन्होंने कहा, 'हमने धनुष पर तीर चढ़ाकर प्रत्यंचा खींच दी है।' सरनाईक ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य में वे भाजपा के साथ महायुति में शामिल हैं और अन्य महानगरपालिकाओं में यह गठबंधन कायम है, लेकिन मीरा-भाईंदर में स्थिति अलग है। उन्होंने दावा किया कि जनता इस चुनाव में मेहता के 'घमंड' को जरूर तोड़ेगी।

डीसीएम शिंदे का चुनावी शंखनाद

'करप्शन सम्राटों' को मुंबई से बाहर करेंगे: डीसीएम शिंदे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए महायुति गठबंधन ने शनिवार को वर्ली स्थित एनएससीआई (NSCI) डोम से अपने चुनावी अभियान का भव्य आगाज किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि महायुति का लक्ष्य 'महाराष्ट्र फास्ट और मुंबई सुपर फास्ट' विकास है। शिंदे ने तंज कसा कि विपक्षी खेमे के लिए हमेशा 'करप्शन फर्स्ट' रहा है। उन्होंने जनता को याद दिलाया कि कैसे विकास के नाम पर वर्षों तक मुंबई को ठगा गया और अब समय आ गया है कि मुंबई को 'विकास के मारेकरी' नहीं, बल्कि 'विकास के वारकरी' (सेवक) मिलें।

मराठी कार्ड और 'मलिदा' की राजनीति पर प्रहार

संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने 'मराठी मानुष' के मुद्दे पर विरोधियों को घेरते हुए कहा कि कुछ लोगों को केवल चुनाव के समय ही मराठी अस्मिता की याद आती है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा, ₹विरोधियों का 'म' सिर्फ 'मलिदा' और 'मतलब' के लिए है, जबकि हमारा 'म' मराठी और महायुति के लिए समर्पित है।₹ शिंदे ने सवाल उठाया कि उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में मुंबई का मध्यमवर्गीय मराठी मानुष अंबरनाथ और बदलापुर जैसे दूर-दराज के इलाकों में विस्थापित होने को मजबूर क्यों हुआ? उन्होंने इसे मराठी अस्मिता के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात बताया।

शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर बालासाहेब ठाकरे के विचारों से गद्दारी करने का आरोप लगाते हुए इतिहास के पात्र 'सूरजाजी पिसाल' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर में रशीद मामू जैसे लोगों को टिकट देना बालासाहेब की विचारधारा के खिलाफ है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, ₹अगर आज बालासाहेब जीवित होते, तो वे इस तरह की लाचारी को कभी बर्दाश्त नहीं करते।₹ शिंदे ने गठबंधन के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि हम अपनी जान दे देंगे, लेकिन सत्ता के लिए कभी समझौता नहीं करेंगे।

'जहां टेंडर, वहां सरेंडर'

बीएमसी में फैले भ्रष्टाचार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने 'करून दाखवलं' के नारे को 'करप्शन सम्राटों' का नारा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सत्ता का एकमात्र सिद्धांत 'जहां टेंडर, वहां सरेंडर' रहा है। शिंदे ने वादा किया कि रमाबाई आंबेडकर नगर जैसे लंबित प्रोजेक्ट्स को अब तेजी से पूरा किया जाएगा। भाषण के अंत में उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि मुंबई का अगला महापौर (Mayor) शत-प्रतिशत 'मराठी' ही होगा और इसे उन्होंने 'काले पत्थर पर खींची भगवा लकीर' करार दिया।

4,860 खेल शिक्षकों की नियुक्ति को मिली मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के प्रत्येक समूह संसाधन केंद्र (Group Resource Center) के लिए एक खेल शिक्षक नियुक्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत जिला परिषद के प्राथमिक विद्यालयों के लिए कुल 4,860 खेल शिक्षकों के पदों को मंजूरी दी गई है। यह कदम राज्य के बुनियादी शिक्षक कैडर के 2 लाख 36 हजार 228 पदों के भीतर ही उठाया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि जिला परिषद के विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा और खेलों के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षक मिल सकें, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिले। खेल शिक्षकों के साथ-साथ सरकार ने प्रत्येक समूह संसाधन केंद्र के लिए एक विशेष शिक्षक (दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए) का कैडर भी सृजित किया है, जिसमें 4,860 पद स्वीकृत किए गए हैं। हालांकि, इस सकारात्मक निर्णय के बीच भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों और शिक्षक संघों, विशेषकर पूर्व प्रधानाचार्य सुदाम कुम्भार ने चिंता जताई है कि पवित्र पोर्टल (Pavitra Portal) के माध्यम से होने वाली भर्ती प्रक्रिया में प्रशासनिक देरी और रोस्टर अनुमोदन (Roster Approval) की जटिलताओं के कारण सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति ठप पड़ी है। शिक्षकों की मांग है कि इन पदों को समय सीमा के भीतर भरा जाए ताकि योजना का वास्तविक लाभ छात्रों तक पहुँच सके।

'दोनों युवराज की ट्रेनिंग कच्ची है'

राहुल शेवाले ने मनसे और उबाठापर साधा निशाना

मुंबई। मुंबई महानगर पालिका चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक पारा चढ़ गया है। शिवसेना के महासचिव राहुल शेवाले ने मनसे के अमित ठाकरे और उबाठा के आदित्य ठाकरे द्वारा मुंबईकरों से किए जा रहे बड़े वादों पर तीखा हमला बोला है। शेवाले ने दोनों 'युवराजों' को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं जिन्हें पूरा करना नगर निगम के कानूनी अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो वादे कानूनी रूप से संभव नहीं हैं, उनके जरिए मुंबईकरों को गुमराह क्यों किया जा रहा है?

मुंबई कॉरपोरेशन एक्ट 1888 का हवाला

राहुल शेवाले ने प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि मुंबई महानगर पालिका अधिनियम 1888 के अनुसार, नगर निगम के पास असीमित अधिकार नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि मुंबई के विकास के लिए वही दल प्रभावी काम कर सकता है जिसकी सरकार राज्य और केंद्र में हो। शेवाले के अनुसार, अमित और आदित्य ठाकरे द्वारा 'मुंबईकरों के लिए घर' बनाने का वादा कानूनी आधार पर टिकता नहीं है, क्योंकि अधिनियम के तहत घर बनाने का प्रावधान नगर निगम के पास नहीं बल्कि राज्य सरकार के नगर विकास विभाग के पास है।

टैक्स माफी और मुफ्त बिजली के वादों पर उठाए सवाल

शेवाले ने उन लोकप्रिय घोषणाओं की भी धज्जियां उड़ाईं जिनमें 700 वर्ग फुट तक के घरों पर संपत्ति कर माफी और 100 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया गया है। उन्होंने साफ किया कि संपत्ति कर माफी का अंतिम अधिकार नगर विकास विभाग के पास होता है, न कि नगर निगम के पास। इसी तरह, बिजली की दरों या मुफ्त बिजली का निर्णय 'राज्य विद्युत नियामक आयोग' (MERC) लेता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए भी राज्य सरकार और नेशनल मेडिकल कमीशन की अनुमति अनिवार्य है, जिसके बिना ये वादे महज चुनावी स्टंट हैं।

झूठे वादों में नहीं फंसेंगे मुंबईकर: राहुल शेवाले

अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए शेवाले ने कहा कि उबाठा और मनसे के नेता हमेशा जनकल्याणकारी योजनाओं का विरोध करते आए हैं, जैसे उन्होंने 'लाड़ली बहन योजना' का विरोध किया था। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने इन योजनाओं को जमीन पर उतारा, जिसका लाभ आज लाखों बहनों को मिल रहा है। शेवाले ने विश्वास जताया कि मुंबई की जनता बहुत समझदार है और वह विपक्षी गठबंधन के उन वादों के झांसे में नहीं आएगी जिनका कोई कानूनी या आर्थिक आधार नहीं है।

न्यूज़ ब्रीफ

रिवॉल्वर और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई नगर निगम (BMC) चुनावों के चलते पुलिस द्वारा की जा रही रात्रि गश्त के दौरान, आरसीएफ पुलिस ने चेंबूर के माहुल इलाके से एक 26 वर्षीय युवक को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे, जब पुलिस की टीम माहुल गांव के शरद आचार्य उद्यान के पास गश्त कर रही थी, तब उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे इस युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक रिवॉल्वर और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए आरोपी की पहचान नदीम शेख के रूप में हुई है। प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि वह यह हथियार उत्तर प्रदेश से लेकर आया था। पुलिस अब इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि चुनाव के इस माहौल में हथियार लाने का उसका मुख्य उद्देश्य क्या था और क्या वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण मुंबई पुलिस ने रात की गश्त और नाकाबंदी बढ़ा दी है ताकि शहर की शांति व्यवस्था भंग न हो सके।

फ्लैट बिक्री के नाम पर 29.5 लाख की ठगी

मुंबई। मुंबई के दहिसर इलाके में रहने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट हितेश मनसुखभाई गोंडविल्या के साथ 29.55 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। किराए के मकान में रह रहे हितेश ने ऑनलाइन विज्ञापन देखकर रावलपाड़ा क्षेत्र में एक फ्लैट खरीदने का मन बनाया था। विज्ञापन के माध्यम से उनका संपर्क आदित्य नाम के व्यक्ति से हुआ, जिसने उन्हें दीपक शाह (एजेंट) और राजेश जैन (कथित मालिक) से मिलवाया। आरोपियों ने 1.05 करोड़ रुपये के फ्लैट का सौदा तय किया और किस्तों में हितेश से लगभग साढ़े उन्नतीस लाख रुपये वसूल लिए। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब आरोपी बिक्री समझौते (Sale Deed) के पंजीकरण को बार-बार टालने लगे। संदेह होने पर जब हितेश ने तहसीलदार कार्यालय में फ्लैट के दस्तावेजों की जांच की, तो पता चला कि फ्लैट का असली मालिक कोई और है। आरोपियों ने धोखाधड़ी करने के लिए मूल दस्तावेजों में असली मालिक की फोटो हटाकर राजेश जैन की तस्वीर लगा दी थी। शनिवार को दहिसर पुलिस ने इस मामले में एजेंट दीपक किरीट शाह को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथी राजेश जैन और आदित्य फिलहाल फरार हैं।

अंधेरी की हाईराइज बिल्डिंग में भीषण आग

इलेक्ट्रिक डक्ट के जरिए 10वीं मंजिल तक फैली लपटें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित व्यस्त एसवी रोड पर शनिवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब 'चांदीवाला पर्ल रीजेंसी' नामक हाईराइज बिल्डिंग में अचानक आग लग गई। आग की शुरुआत इमारत की पहली मंजिल से हुई, जिसने देखते ही देखते इलेक्ट्रिक डक्ट के जरिए ऊपर की मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं का गुबार 10वीं मंजिल तक पहुँचने के कारण पूरी इमारत में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही बीएमसी के मुंबई फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम ने तत्काल राहत दल को मौके पर रवाना किया।

फायर ब्रिगेड का रेस्क्यू ऑपरेशन

मुंबई फायर ब्रिगेड ने दोपहर 2:37 बजे इसे 'लेवल-1' की आग घोषित किया। मौके पर दमकल की कई गाड़ियाँ, पुलिस बल, बिजली विभाग के कर्मचारी और 108 एम्बुलेंस पहुँची। फायर ब्रिगेड की टीम ने बहादुरी का परिचय देते हुए इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए वेंटिलेशन और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। सुरक्षा के मद्देनजर बिजली कंपनी ने क्षेत्र की पावर सप्लाई काट दी है।

शॉर्ट सर्किट की आशंका और व्यस्त एसवी रोड पर लगा जाम

प्रारंभिक जांच में आग लगने का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक डक्ट में हुआ 'शॉर्ट सर्किट' बताया जा रहा है। चूंकि यह इमारत अंधेरी सबवे के ठीक सामने व्यस्त एसवी रोड पर स्थित है, इसलिए आग की घटना के बाद इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लग गया। पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने भीड़ को नियंत्रित करने और दमकल वाहनों को रास्ता देने के लिए मोर्चा संभाला। मुंबई में पहले भी बहुमंजिला इमारतों के इलेक्ट्रिक डक्ट में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसने एक बार फिर हाईराइज बिल्डिंगों की फायर ऑडिट पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थिति नियंत्रण में, जांच के आदेश जारी

बीएमसी और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग ऑपरेशन जारी है। इमारत में रहने वाले सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दिया गया है। फायर ब्रिगेड की एक विशेष टीम अब घटना की विस्तृत जांच करेगी ताकि आग लगने के सटीक कारणों और इमारत के फायर सेफ्टी सिस्टम की प्रभावशीलता का पता लगाया जा सके। प्रशासन ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और दमकल कर्मियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

महायुति के नेतृत्व में बीएमसी एक बार फिर आम लोगों के लिए काम करेगी: मिलिंद देवड़ा

मुंबई। मिलिंद देवड़ा ने बीएमसी के विशाल बजट की तुलना पांच राज्यों के कुल बजट से करते हुए इसे देश की सबसे धनी नगर निकाय बताया। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 25 वर्षों में बीएमसी का प्रबंधन आम जनता के बजाय 'अमीर ठेकेदारों' के हितों को साधने के लिए किया गया। उनके अनुसार, बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति इस कुप्रबंधन का प्रमाण है। देवड़ा ने विश्वास जताया कि 15 जनवरी (मतदान के दिन) को मुंबई की जनता बीएमसी में सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि लोग अब ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो 'पॉजिटिव बदलाव' लाए और सिर्फ आम लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दे। महायुति (भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी) इस बार एकजुट होकर बीएमसी में शिवसेना (UBT) के दशकों पुराने वर्चस्व को चुनौती दे रही है। शिवसेना नेता ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा महाराष्ट्र और मुंबई में किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सुविधाओं के सुधारों को गिनाया। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के लिए शुरू की गई योजनाओं और रोजगार के अवसरों का जिक्र किया, जो उनके अनुसार जनता के बीच महायुति की स्वीकार्यता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इन विकास कार्यों के कारण ही बड़ी संख्या में लोग महायुति के विजन से जुड़ रहे हैं।

चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में : हर्षवर्धन सपकाल

विधानसभा अध्यक्ष पर आचार संहिता उल्लंघन और दादागिरी का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर आदर्श आचार संहिता के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। सपकाल ने कहा कि एक संवैधानिक पद पर होने के बावजूद नार्वेकर ने ₹गुंडों और मवालियों₹ जैसा व्यवहार किया है। आरोप है कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को निर्विरोध चुनाव जिताने के लिए चुनाव निर्णय अधिकारी का रास्ता रोका और विपक्षी उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से डराया-धमकाया। सपकाल ने दावा किया कि घटना के सीसीटीवी फुटेज नष्ट कर दिए गए हैं, जो इस बात का सबूत है कि दाल में कुछ काला है।

'संविधान से ऊपर नहीं हैं नार्वेकर'

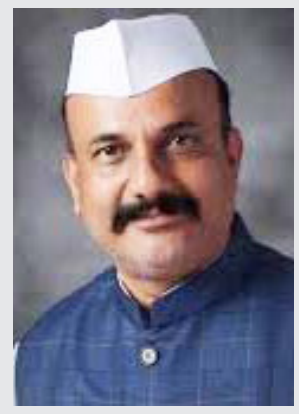

सपकाल ने पूर्व सांसद हरिभाऊ राठौड़ को कथित तौर पर धमकाने और उनकी सुरक्षा हटाने के नार्वेकर के निर्देश की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, रविधानसभा अध्यक्ष खुद को संविधान से ऊपर समझने लगे हैं। चुनाव का अर्थ लोकतंत्र और मतदान होता है, लेकिन यहां 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाला हाल बना दिया गया है।₹ सपकाल के अनुसार, जो उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा रहे हैं, वे लोकप्रियता के कारण नहीं बल्कि दबाव की राजनीति के कारण जीत रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग भाजपा के दबाव में काम कर रहा है और उसे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर नार्वेकर पर मामला दर्ज करना चाहिए था।

बेस्ट बस हादसा

चालक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने शनिवार को भांडुप बस हादसे के आरोपी ड्राइवर संतोष सावंत (52) को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। 29 दिसंबर को भांडुप (पश्चिम) रेलवे स्टेशन के पास हुई इस भीषण दुर्घटना में 'बेस्ट' की इलेक्ट्रिक बस ने कई राहगीरों को कुचल दिया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। शनिवार को पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद सावंत को मुलुंड कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेजने का आदेश दिया गया। सुनवाई के दौरान भांडुप पुलिस ने आरोपी की हिरासत पांच दिन और बढ़ाने की मांग की थी। पुलिस का तर्क था कि 4-5 फरवरी को संतोष सावंत का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (Psychological Evaluation) किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए उसकी कस्टडी जरूरी है। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील सतीश राणे ने इस मांग का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि सावंत की मेडिकल जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और केवल भविष्य की मेडिकल जांच के आधार पर पुलिस हिरासत नहीं बढ़ाई जा सकती। अदालत ने बचाव पक्ष की दलीलों को स्वीकार करते हुए रिमांड बढ़ाने से इनकार कर दिया।

पीड़ितों को न्याय का इंतजार

इस हादसे ने मुंबई की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और इलेक्ट्रिक बसों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। भांडुप स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस घटना से स्थानीय नागरिकों में अब भी काफी रोष है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद अब पुलिस इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी करेगी। उधर, बेस्ट प्रशासन ने भी आंतरिक जांच शुरू कर दी है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना का कारण तकनीकी खराबी थी या ड्राइवर की मानवीय भूल।

मुंबई एयरपोर्ट पर करोड़ों की तस्करी का भंडाफोड़

हीरा, सोना और ड्रग्स जब्त

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुंबई कस्टम्स ज़ोन-III के अधिकारियों ने 30 और 31 दिसंबर के बीच चलाए गए एक विशेष अभियान में तस्करी के बड़े मामलों का पर्दाफाश किया है। एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम (APIS) और यात्रियों की प्रोफाइलिंग के आधार पर की गई इस कार्रवाई में करोड़ों रुपये मूल्य के हीरे, सोना और नशीले पदार्थ (हाइड्रोपोनिक वीड) बरामद किए गए हैं। सबसे चौंकाने वाले मामले में एक यात्री को अपने शरीर के भीतर हीरे छिपाकर तस्करी करने के आरोप में पकड़ा गया, जिसके पास से 2.52 करोड़ रुपये मूल्य के 849.6 कैरेट के हीरे बरामद हुए।

सोना तस्करी में हवाई अड्डा कर्मचारी की संलिप्तता

सोने की तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में अधिकारियों ने कुल 1.98 करोड़ रुपये से अधिक का सोना जब्त किया। एक मामले में 11.35 लाख रुपये के रोडियम-प्लेटेड सोने के बटन बरामद हुए। दूसरे बड़े मामले में, एअर इंडिया एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (AIASL) के एक कर्मचारी और एक यात्री के पास से मोम (wax) के रूप में 1.47 किलोग्राम सोने की धूल बरामद की गई, जिसकी कीमत 1.87 करोड़ रुपये है। जांच में पता चला कि यह सोना एक बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री द्वारा दूसरे यात्री को और फिर हवाई अड्डा परिसर के भीतर कर्मचारी को सौंपा गया था।

बैंकाक से आई 10 करोड़ रुपये की 'हाइड्रोपोनिक वीड' बरामद

नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कस्टम विभाग ने बैंकॉक से आए दो यात्रियों को गिरफ्तार किया। पहले मामले में एक यात्री के पास से 8.008 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 8 करोड़ रुपये आंकी गई है। वहीं, इंडिगो की उड़ान से आए एक अन्य यात्री के पास से 1.94 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 2 किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई।

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग
विभिन्न सामग्री की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर सूचना संख्या: S/01/2026 दिनांक: 01.01.2026

क्र.	सामग्री का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
1	माउंटिंग व्यवस्था सहित बैटरी बॉक्स का सेट	83 सेट	10 फरवरी 2026
2	रेलवे S&T हेतु लो मेंटेनेंस लेड एसिड सेकेंडरी सेल (2V/80 AH)	6200 नग	05 फरवरी 2026
3	हाई टेंसाइल ट्रांज़िशन	182 नग	05 फरवरी 2026
4	व्हील सेट हेतु कार्बन बुश असेंबली	9205 नग	03 फरवरी 2026
5	मेंटेनेंस फ्री VRLA बैटरी सेट (48V / 200AH)	103 सेट	02 फरवरी 2026
6	VRLA (सील्ड) लेड एसिड बैटरी, क्षमता 2V / 300AH	9600 नग	29 जनवरी 2026

शुद्धिपत्र (Corrigendum)
टेंडर सूचना संख्या S-72-2025 (दिनांक: 08.12.2025) के क्रमांक 761 के लिए अंतिम तिथि "12.01.2026" पढ़ी जाए।
EMD, खरीद प्रतिबंध तथा विस्तृत टेंडर शर्तों के लिए कृपया निम्न वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in
0971
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए।

उंगलियों से पढ़ी जाने वाली आज़ादी

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

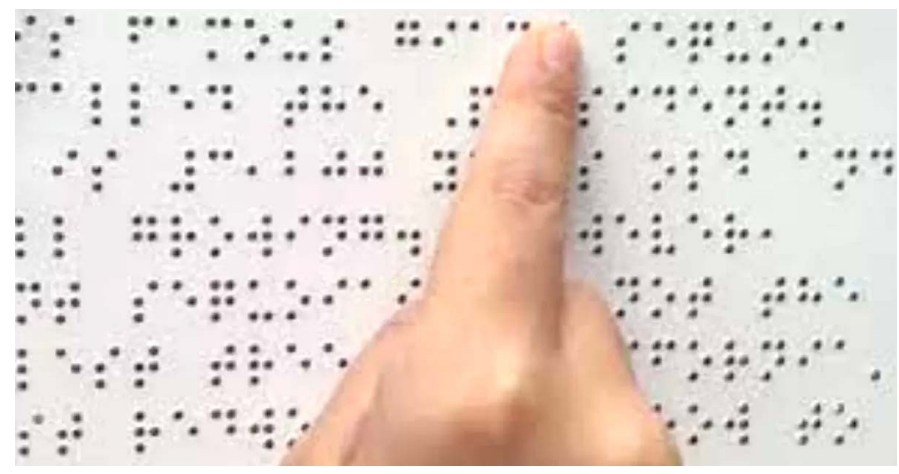

हर साल 4 जनवरी को दुनिया भर में विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती भर नहीं है, बल्कि उस विचार का उत्सव है जिसने अंधे और आंशिक रूप से दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान, आत्मनिर्भरता और सम्मान के दरवाज़े खोले। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2018 में इस दिवस की औपचारिक स्थापना की, ताकि ब्रेल लिपि को एक सुलभ, मानवीय और अधिकार-आधारित संचार माध्यम के रूप में वैश्विक मान्यता मिल सके। ब्रेल केवल अक्षरों की व्यवस्था नहीं, बल्कि उँगलियों से पढ़ी जाने वाली आज़ादी है।एक ऐसा साधन जो शिक्षा, रोज़गार और सामाजिक सहभागिता के रास्ते खोलता है।

ब्रेल का जन्म 19वीं सदी के फ्रांस में हुआ, जब स्वयं दृष्टिबाधित लुई ब्रेल ने उभरे हुए बिंदुओं की प्रणाली विकसित की। छह बिंदुओं का यह संयोजन आज सैकड़ों भाषाओं, गणितीय संकेतों, संगीत और विज्ञान तक फैला हुआ है। समय बदला, तकनीक बदली, लेकिन ब्रेल का मूल उद्देश्य वही रहा।दृष्टिबाधित व्यक्ति को किसी पर निर्भर किए बिना पढ़ने, लिखने और समझने का अधिकार देना। संयुक्त राष्ट्र ने जब इसे मानवाधिकारों से जोड़ा, तो संदेश स्पष्ट था कि सूचना तक पहुँच कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि अधिकार है।

भारत जैसे विशाल और विविध देश में ब्रेल का महत्व और भी गहरा हो जाता है। यहां करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में दृष्टिबाधित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच पहले से ही चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में ब्रेल विद्यालय, पुस्तकालय और शिक्षण सामग्री आत्मनिर्भरता की नींव रखते हैं। भारतीय भाषाओं में ब्रेल का विकास हिंदी, मराठी, तमिल, बंगाली, उर्दू सहित यह सुनिश्चित करता है कि भाषा बाधा न बने। सरकारी योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं, बैंकिंग सेवाओं और सार्वजनिक सूचनाओं में ब्रेल की मौजूदगी भारत में समावेशी विकास की कसौटी बनती जा रही है। भारत को ब्रेल से एक और बड़ा लाभ सामाजिक बराबरी के रूप में मिलता है। जब दृष्टिबाधित छात्र सामान्य विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में ब्रेल के सहारे पढ़ते हैं, तो वे मुख्यधारा का हिस्सा बनते हैं। इससे समाज में संवेदनशीलता बढ़ती है और दया' की जगह अधिकार का भाव मजबूत होता है। हाल के वर्षों में डिजिटल ब्रेल डिस्प्ले, स्क्रीन रीडर और ब्रेल प्रिंटर जैसे उपकरणों के साथ भारत में स्टार्टअप और तकनीकी संस्थान भी आगे आए हैं। यह नवाचार न केवल रोजगार के अवसर पैदा करता है, बल्कि देश को सहायक तकनीक के वैश्विक मानचित्र पर भी स्थान दिलाता है। दूसरी ओर, अमेरिका जैसे विकसित देश के लिए ब्रेल का महत्व अलग संदर्भ में दिखाई देता है। यहां दृष्टिबाधित समुदाय के अधिकारों की लड़ाई लंबे समय से संगठित रही है। अमेरिकी कानूनों में सुलभता के स्पष्ट मानक हैं।सार्वजनिक भवनों में ब्रेल साइन, परिवहन व्यवस्था में स्पर्श आधारित सूचना, शिक्षा संस्थानों में ब्रेल पाठ्यपुस्तकें। अमेरिका में ब्रेल को केवल पारंपरिक माध्यम नहीं माना जाता, बल्कि इसे आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा गया है। डिजिटल ब्रेल नोटटेकर, स्मार्टफोन से जुड़ने वाले ब्रेल डिस्प्ले और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहायक उपकरण दृष्टिबाधित लोगों को तेज़ी से बदलती दुनिया से जोड़ते हैं। अमेरिका को ब्रेल से जो लाभ मिलता है, वह उसकी समावेशी अर्थव्यवस्था में झलकता है। जब दृष्टिबाधित नागरिक स्वतंत्र रूप से पढ़-लिख सकते हैं, तो वे कार्यबल में सक्रिय भागीदारी करते हैं। इससे उत्पादकता बढ़ती है और सामाजिक सुरक्षा पर निर्भरता कम होती है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में ब्रेल के माध्यम से विज्ञान, गणित और कानून जैसे विषयों में अध्ययन संभव हुआ है, जिससे दृष्टिबाधित पेशेवर डॉक्टर, वकील और वैज्ञानिक बनकर उभरे हैं। यह अमेरिका की विविधता और समान अवसर की अवधारणा को मज़बूत करता है। हालाँकि भारत और अमेरिका—दोनों देशों की चुनौतियाँ अलग हैं। भारत में सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों और पहुँच की है। ब्रेल पुस्तकें महंगी हैं, उत्पादन सीमित है और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी भी महसूस होती है। कई सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर आज भी ब्रेल संकेत नहीं मिलते। वहीं अमेरिका में चुनौती यह है कि बढ़ती डिजिटल निर्भरता के बीच कहीं ब्रेल का अभ्यास कम न हो जाए। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल ऑडियो तकनीक पर निर्भरता साक्षरता को कमजोर कर सकती है, क्योंकि सुनना और पढ़ना दोनों की भूमिका अलग होती है। यहीं विश्व ब्रेल दिवस का संदेश वैश्विक बन जाता है। यह दिन याद दिलाता है कि तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत हो जाए, ब्रेल की प्रासंगिकता खत्म नहीं होती। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर है कि वह ब्रेल शिक्षा में निवेश बढ़ाए, स्थानीय भाषाओं में सामग्री विकसित करे और डिजिटल ब्रेल को सस्ता बनाए। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का समय है कि वह ब्रेल को नई पीढ़ी के लिए आकर्षक और सुलभ बनाए, ताकि साक्षरता की जड़ें मजबूत रहें। ब्रेल का महत्व केवल शिक्षा या रोजगार तक सीमित नहीं है। यह गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़ा है। जब कोई दृष्टिबाधित व्यक्ति ब्रेल में अपना नाम पढ़ता है, बैंक का फॉर्म भरता है या मेट्रो स्टेशन पर दिशा-सूचक संकेत समझता है, तो वह समाज में अपनी बराबरी महसूस करता है। यही बराबरी लोकतंत्र की आत्मा है।चाहे वह भारत हो या अमेरिका। विश्व ब्रेल दिवस हमें यह भी सिखाता है कि समावेशन किसी एक देश का लक्ष्य नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि मानवाधिकारों की भाषा सार्वभौमिक है।

जीवन मंत्र

कर्तव्यनिष्ठा मानव जीवन का वह मूल गुण है, जो व्यक्ति को उसके लक्ष्य तक पहुँचाने की शक्ति देता है। यह केवल नियमों का पालन भर नहीं, बल्कि अपने दायित्वों के प्रति ईमानदार, सतत और प्रतिबद्ध रहने की भावना है।

कर्तव्यनिष्ठा से जन्मता सौभाग्य

इतिहास, समाज और व्यक्तिगत जीवन—हर स्तर पर यही सत्य उभरकर सामने आता है कि सौभाग्य उन्हीं का साथ देता है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते। कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परिस्थितियों का रोना नहीं रोता, बल्कि उन्हें चुनौती मानकर स्वीकार करता है। जब परिणाम तत्काल अनुकूल नहीं होते, तब भी वह धैर्य और विश्वास के साथ अपने कार्य में लगा रहता है। यही निरंतरता धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है और अंततः सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। गीता में भी कहा गया है कि कर्म करो, फल की चिंता मत करो—यह संदेश कर्तव्यनिष्ठा का ही सार है। समाज में शिक्षक, चिकित्सक, सैनिक, किसान या पत्रकार—हर पेशे में कर्तव्यनिष्ठा का महत्व समान है। एक शिक्षक यदि ईमानदारी से पढ़ाता है, तो वह केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ता है। एक चिकित्सक का समर्पण जीवन बचाता

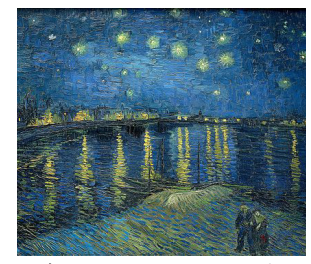

है, और एक सैनिक का कर्तव्यबोध देश की सीमाओं की रक्षा करता है। ऐसे लोग भले ही तत्काल प्रसिद्धि न पाएं, लेकिन समाज और समय उन्हें सम्मान अवश्य देता है। यही सम्मान उनका वास्तविक सौभाग्य बनता है। कर्तव्यनिष्ठा व्यक्ति को आत्मसंतोष भी देती है। जब इंसान जानता है कि उसने अपना दायित्व पूरी निष्ठा से निभाया है, तब उसे बाहरी प्रशंसा की आवश्यकता नहीं रहती। यह आत्मसंतोष मानसिक शांति का आधार बनता है, जो आज के तनावपूर्ण जीवन में सबसे बड़ा धन है। इसके विपरीत, जो लोग शॉर्टकट या अवसरवादिता का रास्ता अपनाते हैं, वे क्षणिक लाभ तो पा सकते हैं, पर स्थायी सुख और सम्मान से वंचित रह जाते हैं। अंततः, सौभाग्य कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ प्रयासों का परिणाम है। यह उन कदमों से जन्म लेता है जो व्यक्ति रोज़ ईमानदारी से उठाता है। जो अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हैं, वही जीवन की कसौटी पर खरे उतरते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि सच्चा सौभाग्य उन्हीं को मिलता है जो बिना डगमगाए अपने कर्तव्य पथ पर चलते रहते हैं।

शख्सियत | आइज़ैक न्यूटन

विज्ञान का महान स्तंभ

आइज़ैक न्यूटन (Isaac Newton) विज्ञान के इतिहास के सबसे महान और प्रभावशाली वैज्ञानिकों में गिने जाते हैं। उनका जन्म 3 जनवरी 1643 को इंग्लैंड के लिंकनशायर स्थित वूल्स्थोर्प-बाय-कोल्स्टर्वर्थ नामक गाँव में हुआ था। वे एक ऐसे युग में पैदा हुए जब यूरोप में वैज्ञानिक क्रांति अपने आरंभिक चरण में थी। न्यूटन ने भौतिकी, गणित, खगोलशास्त्र और प्राकृतिक दर्शन के क्षेत्र में ऐसे मौलिक कार्य किए, जिनकी नींव पर आधुनिक विज्ञान की इमारत खड़ी है।

हम जो जानते हैं वो बूँद के बराबर है,
और जो नहीं जानते वो महासागर के समान है।
- आइज़ैक न्यूटन

न्यूटन का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। उनके जन्म से पहले ही उनके पिता का निधन हो गया था और तीन वर्ष की आयु में उनकी माँ ने दूसरा विवाह कर लिया, जिसके बाद न्यूटन अपनी नानी के संरक्षण में पले-बढ़े। प्रारंभिक शिक्षा के दौरान वे औसत विद्यार्थी माने जाते थे, लेकिन भीतर ही भीतर उनमें गहरी जिज्ञासा और सीखने की तीव्र इच्छा थी। किंग्स स्कूल, ग्रांथम में पढ़ाई के दौरान उनकी प्रतिभा उभरकर सामने आई। बाद में उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज में प्रवेश लिया, जहाँ उनका झुकाव पारंपरिक अरस्तूवादी शिक्षा से हटकर आधुनिक वैज्ञानिक विचारों की ओर हुआ। 1665 से 1667 का समय न्यूटन के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काल माना जाता है। उस दौरान प्लेग महामारी के कारण कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय बंद हो गया और न्यूटन अपने गाँव लौट आए। इसी अवधि में उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत, गति के नियम, प्रकाशिकी और कलन (Calculus) की मूल अवधारणाओं पर कार्य किया। यह समय उनके लिए असाधारण रचनात्मकता का काल था, जिसे अक्सर "एनस मिराबिलिस" यानी चमत्कारी वर्ष कहा जाता है।

न्यूटन का सबसे प्रसिद्ध ग्रंथ फिलोसोफी नेचुरेलिस प्रिन्सिपिया मैथेमेटिका 1687 में प्रकाशित हुआ। इस पुस्तक में उन्होंने गति के तीन नियम और सार्वत्रिक गुरुत्वाकर्षण के नियम का प्रतिपादन किया। इन सिद्धांतों ने यह स्पष्ट किया कि पृथ्वी पर गिरती वस्तुओं और आकाश में ग्रहों की गति एक ही प्राकृतिक नियमों के अधीन है। इस कार्य ने शास्त्रीय यांत्रिकी की नींव रखी और आने वाले लगभग तीन सौ वर्षों तक भौतिकी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दिशा दी। प्रकाशिकी के क्षेत्र में भी न्यूटन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि श्वेत प्रकाश वास्तव में कई रंगों का मिश्रण होता है, जिसे प्रिज़्म की सहायता से अलग-अलग रंगों में विभाजित किया जा सकता है। उन्होंने पहला व्यावहारिक परावर्ती दूरदर्शी (Reflecting Telescope) बनाया, जिसे आज न्यूटोनियन टेलीस्कोप कहा जाता है। उनके रंग सिद्धांत ने प्रकाश के अध्ययन को एक नई दिशा दी। गणित में न्यूटन ने अवकलन और समाकलन कलन के विकास में निर्णायक भूमिका निभाई।

जीवन ऊर्जा

गोपालदास 'नीरज': जन्म 4 जनवरी 1924

जन्म

गोपालदास नीरज (4 जनवरी 1925 - 19 जुलाई 2018), हिन्दी साहित्यकार, शिक्षक, एवं कवि सम्मेलनों के मंचों पर काव्य वाचक एवं फ़िल्मों के गीत लेखक थे। वे पहले व्यक्ति थे जिन्हें शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में भारत सरकार ने दो-दो बार सम्मानित किया, पहले पद्म श्री से, उसके बाद पद्म भूषण से। यही नहीं, फ़िल्मों में सर्वश्रेष्ठ गीत लेखन के लिये उन्हें लगातार तीन बार फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिला था ।

अंततः जीवन वही है जो हम भीतर से बनाते हैं

गीत वही जो दिल से निकले और दिल तक पहुंचे। मनुष्य बड़ा नहीं होता, उसके विचार बड़े होते हैं। आदमी की पहचान उसके शब्दों से होती है, क्योंकि शब्द ही उसके संस्कारों का आईना होते हैं। जीवन में हार भी एक तरह की सीख है और कई बार वही हार मनुष्य को सही दिशा दिखाती है। जो मिला है उसी में सुख खोजना ही सच्ची बुद्धिमानी है, क्योंकि लालसा मन को कभी शांत नहीं होने देती। कविता आत्मा की आवाज होती है, जो बिना शोर किए बहुत कुछ कह जाती है। स च कड़वा नहीं होता, उसे कहने का ढंग कड़वा बना दिया जाता है। आंसू भी आंखों की सच्ची भाषा हैं, जो वह कह देते हैं जिसे शब्द नहीं कह पाते। जो भीतर उजाला रखे, वही सच्चा इंसान है, क्योंकि बाहर का अंधकार भीतर के प्रकाश को बुझा नहीं सकता। समय सबसे बड़ा शिक्षक है और वह बिना बोले बहुत कुछ सिखा देता है। प्रेम में अधिकार नहीं, केवल समर्पण होता है। जीवन सरल है, हम ही उसे कठिन बना लेते हैं। हर सुबह एक नया अवसर लेकर आती है, बशर्ते

हम उसे पहचान सकें। भावनाएं ही मनुष्य को मनुष्य बनाती हैं। जो स्वयं से हार गया, वही सबसे अधिक हारा। सपने वही सच्चे होते हैं जिनके लिए जागना पड़े। मौन में भी कई उत्तर छिपे होते हैं, जिन्हें केवल धैर्य से सुना जा सकता है। जीवन शिकायतों से नहीं, स्वीकार से आगे बढ़ता है। दूसरों को समझना ही सबसे बड़ा ज्ञान है। आशा टूटे तो जीवन सूना हो जाता है, इसलिए आशा को थामे रखना आवश्यक है। सच्चाई को समय की आवश्यकता नहीं होती, वह स्वयं अपना स्थान बना लेती है। प्रेम देना सीखना चाहिए, मांगना नहीं। हर इंसान अपने भीतर एक कविता छिपाए रहता है, जो सही समय पर प्रकट होती है। जो बदलना जानता है, वही आगे बढ़ता है। जीवन का मूल्य क्षणों में छिपा होता है, वर्षों में नहीं। सरल मन ही सबसे समृद्ध मन होता है। विश्वास से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। मन शांत हो तो कठिन राह भी सहज लगती है। जीवन बहस से नहीं, समझ से सुंदर बनता है। जो आज है, वही सबसे बड़ा सत्य है। अतीत से सीखो और वर्तमान को संवारो। छोटी-छोटी खुशियां ही जीवन की असली दौलत हैं। जो देना जानता है, वही सच में अमीर होता है। अंततः जीवन वही है जो हम भीतर से बनाते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

ब्राह्मण के नौ गुण और सनातन परंपरा का संदेश

सनातन धर्म में वर्ण व्यवस्था का मूल आधार जन्म से अधिक गुण और कर्म को माना गया है। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीपरशुराम के संवाद के माध्यम से इसी सत्य को अत्यंत सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। श्रीराम कहते हैं-"देव एक गुन धनुष हमारे, नौ गुन परम पुनीत तुम्हारे।" अर्थात हे प्रभु! हम क्षत्रिय हैं, हमारा एक प्रमुख गुण है—धनुष। किंतु आप ब्राह्मण हैं, आप में नौ परम पवित्र गुण विद्यमान हैं। यह कथन किसी अहंकार का नहीं, बल्कि गुणों के सम्मान का उद्घोष है। शास्त्रों में ब्राह्मण के नौ गुण बताए गए हैं- ऋजुता (सरलता), तप, संतोष, क्षमा, इंद्रिय-निग्रह, दान, शौर्य, दया और ब्रह्मज्ञान। सरलता का अर्थ केवल सीधे बोलना नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म में एकरूपता है। तप वह साधना है जिससे व्यक्ति अपने जीवन को अनुशासित करता है। संतोष मेहनत की कमाई में तृप्त रहने की भावना है, जो लोभ और असंतोष से बचाता है। क्षमाशीलता ब्राह्मण का आभूषण मानी गई है। क्षमा कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक है। जितेन्द्रिय होना अर्थात सभी इंद्रियों को अपने वश में रखना, जिससे व्यक्ति विषय-वासनाओं के अधीन न हो। दानशीलता समाज में संतुलन लाती है, जबकि दया जीवमात्र के प्रति करुणा का भाव उत्पन्न करती है। शौर्य केवल युद्ध का साहस नहीं, बल्कि सत्य और धर्म के पक्ष में निर्भीक खड़े होने की शक्ति है। इन सभी गुणों का शिखर है ब्रह्मज्ञान—परम सत्य की अनुभूति।

श्रीमद्भगवद्गीता के 18वें अध्याय के 42वें श्लोक में श्रीकृष्ण ब्राह्मण के गुणों को और स्पष्ट करते हैं- "शमो दमस्तपः शौचं क्षान्तिरार्जवमेव च।
ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यं ब्रह्म कर्म स्वभावजम्॥"
अर्थात मन का निग्रह, इंद्रियों का संयम, तप, शुद्धता, क्षमा, सरलता, ज्ञान, अनुभवजन्य विज्ञान और ईश्वर में आस्था—ये ब्राह्मण के स्वाभाविक कर्म हैं। यहाँ "स्वभावज" शब्द विशेष महत्वपूर्ण है। स्वभाव जन्म से मिलता है, परंतु संगति, स्वाध्याय और अभ्यास से वही स्वभाव परिष्कृत होता है।

शास्त्रों में कहा गया है—
**"दैवाधीनं जगत् सर्वं,
मन्त्राधीनाश्च देवता।
ते मन्त्राः ब्राह्मणा धीना, तस्माद् ब्राह्मण देवता।"**
अर्थात संपूर्ण जगत दैव के अधीन है, देवता मंत्रों के अधीन हैं और मंत्र ब्राह्मणों के अधीन हैं, इसलिए ब्राह्मण देवतुल्य माने गए हैं। यह महिमा किसी पद की नहीं, बल्कि साधना और संयम की है।
इसी संदर्भ में यह भी कहा गया—
"धिग्बलं क्षत्रिय बलं, ब्रह्मतेजो बलं बलम्।"
अर्थात शारीरिक बल से कहीं अधिक शक्तिशाली है ब्रह्मतेज। त्याग, तपस्या, गायत्री जप और संध्या-वंदन इसी ब्रह्मतेज के स्रोत हैं। दुर्भाग्यवश, आज इन साधनाओं से दूरी बढ़ती जा रही है, जबकि केवल सम्मान और पूजा की अपेक्षा बनी रहती है।
शास्त्रों में ब्राह्मण को वृक्ष के रूपक से समझाया गया है-"विप्रो वृक्षस्तस्य मूलं च संध्या, वेदाः शाखा धर्मकर्माणि पत्रम्।"
अर्थात ब्राह्मण रूपी वृक्ष की जड़ संध्या-वंदन है, वेद उसकी शाखाएँ हैं और धर्मकर्म उसके पत्ते।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

वे लोग जो मरीजों के लिए 'Rx' पर्ची लिखते हैं, उनके हाथों में RDX पाया गया। यह स्थित समाज और शिक्षा व्यवस्था के लिए एक चेतावनी है कि शिक्षा केवल पेशेवर सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिकता, चरित्र और मानवता का विकास भी होनी चाहिए।

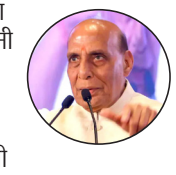

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत सरकार

इन घटनाक्रमों से राज्य भर के शहरी नगर निकायों में पार्टी की बढ़ती पकड़ का पता चलता है। पार्टी नेताओं ने इस रुझान का श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की लोकप्रियता और राज्य इकाई के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण द्वारा निर्देशित चुनावी रणनीति को दिया।

-केशव उपाध्याय
भाजपा प्रवक्ता

लोकतंत्र को खत्म करने का यह एक ऐसा तरीका है जिसमें विपक्षी उम्मीदवार ईडी और सीबीआई की धमकियों से डराकर या रिश्वत देकर उनसे समझौता कर लेते हैं. वे अपनी जीत खरीदने की कोशिश कर रहे हैं और यह शर्म की बात है कि चुनाव आयोग इस पर चुप्पी साधे हुए है।

-प्रियंका चतुर्वेदी
राज्यसभा सांसद

भाजपा और अजित पवार ने एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। तो फिर आप सरकार में क्यों हैं? अजित पवार को शरद पवार के पास वापस आ जाना चाहिए। अब जब आपने पुणे और पिंपरी चिंचवड में गठबंधन कर लिया है, तो अजित पवार को भाजपा

-संजय राउत
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

लोहमार्ग न्यायालय की मौजूदगी में सेवानिवृत्त हुए दो अधिकारी

कल्याण। कल्याण में रेलवे टिकट चेकिंग विभाग के इतिहास में पहली बार एक अनूठी परंपरा की शुरुआत हुई, जहाँ विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों—मुख्य टिकट निरीक्षक ओमकार गोसावी और पी. बुनकर—का सेवानिवृत्ति समारोह लोहमार्ग न्यायालय के न्यायाधीश की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कल्याण रेलवे कोर्ट के माननीय न्याय दंडाधिकारी (JMFC) वी. पी. शिंदे ने इस गरिमामय कार्यक्रम में शिरकत कर सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया। न्यायपालिका की इस सक्रिय भागीदारी ने न केवल इस समारोह को ऐतिहासिक बनाया, बल्कि रेलवे प्रशासन और कानून व्यवस्था के बीच आपसी सम्मान के एक नए अध्याय की शुरुआत भी की। समारोह के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ए. के. गर्ग सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने ओमकार गोसावी और पी. बुनकर की दशकों लंबी बेदाग सेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

भिवंडी में 'शैक्षणिक कन्वेंशन' संपन्न

भिवंडी। भिवंडी की सुन्नी जामा मस्जिद कोटरगेट में आयोजित रशैक्षणिक कन्वेंशनर में सूफी शिक्षाओं के माध्यम से मुस्लिम समाज की समकालीन बौद्धिक और नैतिक चुनौतियों के समाधान पर गंभीर चर्चा की गई, जिसकी अध्यक्षता शहर काजी अल्लामा मुबशिर रज़ा अज़हर मिस्बाही ने की। मुख्य वक्ता अल्लामा डॉ. सज्जाद आलम रज़वी (कोलकाता) ने अपने शोधपरक संबोधन में आधुनिकता के दौर में गिरते सामाजिक मूल्यों और नैतिक पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज सुधार के लिए सूफिया-ए-किराम द्वारा बताए गए आत्म-शुद्धि (तज़किया-ए-नफ़्स) के मार्ग को अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। शरीअत की पाबंदी, मानवता और ईमान की बुनियाद पर ज़ोर देने वाले इस सम्मेलन में भिवंडी के वरिष्ठ मुफ्तियान, बुद्धिजीवियों और गणमान्य अतिथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिसका समापन मौलाना अकमल गयावी द्वारा देश की खुशहाली और सफलता के लिए कराई गई विशेष दुआ के साथ हुआ।

ओवला-माजीवाड़ा में शिवसेना का चुनावी शंखनाद

प्रताप सरनाईक ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ठाणे मनपा चुनावों के मद्देनजर ओवला-माजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक को संबोधित किया। भावुक होते हुए सरनाईक ने कहा, ₹आप सभी के आशीर्वाद और अटूट प्रेम की वजह से ही मैं चार बार विधायक चुना गया और आज मुझे परिवहन मंत्री के रूप में जनता की सेवा करने का अवसर मिला है।₹ उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस चुनाव को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में लें और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कुशल मार्गदर्शन में महायुति के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात एक कर दें।

पूर्वेश सरनाईक ने की आधिकारिक चुनाव अभियान की शुरुआत

इस बैठक में युवा सेना के कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने भी अपनी भूमिका स्पष्ट की। हाल ही में वफादार कार्यकर्ताओं को मौका देने के लिए खुद चुनाव न लड़ने का साहसी फैसला लेने वाले पूर्वेश ने कहा, ₹यह चुनाव हमारे सेवकों और जनता के भरोसे की परीक्षा है।₹ उन्होंने आधिकारिक तौर पर चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे सरकार के विकास कार्यों और जनहित के फैसलों को घर-घर तक पहुँचाएं। पूर्वेश ने अपने पिता को पिछले कई वर्षों से मिल रहे समर्थन के लिए नागरिकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए जीत का संकल्प दोहराया।

महायुति के सभी 28 उम्मीदवारों को जिताने की सामूहिक शपथ

बैठक के दौरान ओवला-माजीवाड़ा क्षेत्र के सभी 28 महायुति उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने की एकमत से शपथ ली गई। मंत्री सरनाईक ने कड़े शब्दों में अनुशासन का पालन करने और आपसी समन्वय के साथ प्रचार कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन पर जो भरोसा दिखाया है, उस पर खरा उतरना हर कार्यकर्ता का कर्तव्य है। बैठक में बड़ी संख्या में विभाग प्रमुख, महिला विभाग प्रमुख और विधानसभा प्रमुख मौजूद थे, जिन्होंने हाथ उठाकर पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और जीत का अटूट विश्वास जताया।

विकास के मुद्दों पर केंद्रित रहेगा प्रचार अभियान

प्रताप सरनाईक ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें केवल झूठे वादों पर नहीं, बल्कि धरातल पर हुए विकास कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाना है। ठाणे के बुनियादी ढांचे में सुधार, परिवहन व्यवस्था का आधुनिकीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही हमारे प्रचार का मुख्य आधार होगा।

नवी मुंबई में भाजपा की बड़ी सेंधमारी

उत्तर भारतीय नेता कमलेश वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं का सामूहिक पक्ष प्रवेश

नवी मुंबई। कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक के मार्गदर्शन और पूर्व सांसद संजीव नाईक के नेतृत्व में नवी मुंबई भाजपा को उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब शिवसेना (UBT) के वरिष्ठ उत्तर भारतीय संगठक कमलेश वर्मा और विभाग प्रमुख रामस्वरूप दाहिया ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में प्रवेश किया। 2 जनवरी को पावने स्थित 'व्हाइट हाउस' कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति ने इस दलबदल को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। कमलेश वर्मा के साथ गिरधारी लाल गुप्ता, शफीक खान और उमेश तिवारी जैसे कई प्रभावशाली पदाधिकारियों के आने से आगामी चुनावों में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा और अधिक व्यापक हो गया है।

चुनावी समीकरण और उत्तर भारतीय वोट बैंक पर प्रभाव

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कमलेश वर्मा का प्रभाग क्रमांक 14 और 20 में गहरा प्रभाव है, जहाँ उत्तर भारतीय मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। वर्मा इन क्षेत्रों से दो बार चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर रह चुके हैं, जिससे उनका व्यक्तिगत जनाधार काफी मजबूत माना जाता है। नवी मुंबई के उत्तर भारतीय समाज का झुकाव अब मंत्री गणेश नाईक की लोकप्रियता और भाजपा के विकास कार्यों की ओर बढ़ रहा है।

ठाणे स्टेशन परिसर में 'डीप क्लीन' अभियान

रिसाइकिल पानी से धुली सड़कें, 350 कर्मचारियों ने संभाली कमान

ठाणे। ठाणे को 'साफ, सुंदर और स्वस्थ' बनाने के संकल्प के साथ शुक्रवार रात 10 बजे से ठाणे रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में एक विशाल 'डीप क्लीन' ड्राइव चलाई गई। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आयोजित इस अभियान में ठाणे मनपा (TMC), अतिक्रमण विभाग, टीएमटी (TMT), ट्रैफिक पुलिस और रेलवे सहित कई विभागों के लगभग 350 कर्मचारियों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के तहत सैटिस (SATIS) पुल, ईस्ट कोपरी और वेस्ट नौपाड़ा की सड़कों व फुटपाथों को पानी से धोकर पूरी तरह चकाचक किया गया। नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस सघन सफाई से स्टेशन परिसर अब अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक नजर आ रहा है।

कोपरी STP के रिसाइकिल पानी का हुआ उपयोग

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता रही। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की धुलाई के लिए पीने के पानी के बजाय कोपरी एसटीपी (STP) प्रोजेक्ट से रिसाइकिल किए गए पानी का उपयोग किया गया। ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ, टीएमटी मैनेजर भालचंद्र बेहरे और उपायुक्त मधुकर बोडके सहित वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में चले इस अभियान ने 'वेस्ट टू बेस्ट' के कॉन्सेप्ट को धरातल पर उतारा। प्रशासन ने इस अवसर पर ठाणेकरों से अपील की कि शहर को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

नुक्कड़ नाटकों से मतदान का संदेश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

आगामी 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान के लिए ठाणे नगर निगम और चुनाव विभाग ने कमर कस ली है। ठाणे मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देशों पर पूरे शहर में मतदाता जागरूकता अभियान (SVEEP) चलाया जा रहा है। स्वीप की नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में कलवा डिवीजन के विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को वोट की अहमियत समझाई जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोकतंत्र के इस उत्सव में हर ठाणेकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे और मतदान का प्रतिशत नई ऊंचाइयों को छुए।

कलवा के विभिन्न वार्डों में कला के जरिए जागरूकता

कलवा प्रभाग समिति के तहत वार्ड नंबर 24 (वाघोबा नगर), वार्ड नंबर 25 (घोलई नगर मार्केट) और वार्ड नंबर 9 (खारेगांव) जैसे घने बसे इलाकों में प्रभावी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों में सरस्वती स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नाटकों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ₹मतदाता ही लोकतंत्र के राजा हैं₹ और वोट देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। वाघोबा नगर में नाटक के बाद स्थानीय नागरिकों को सामूहिक रूप से मतदान की शपथ दिलाई गई, जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने 15 जनवरी को बूथ तक पहुँचने का संकल्प लिया। कलवा नाका क्षेत्र (वार्ड नंबर 23) में स्वीप टीम ने ₹लोकतंत्र की डोर को बनाए रखें... आपका वोट आपका अधिकार है₹ जैसे नारों के साथ जनसंपर्क किया। नुक्कड़ नाटक के दौरान नागरिकों की सहज और सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। शिक्षकों और छात्रों की इस टोली ने अपनी कला के माध्यम से जटिल चुनावी प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया और लोगों के मन से मतदान को लेकर होने वाली झिझक को दूर किया। मार्केट और रिहायशी इलाकों में इस अभियान ने एक उत्सव जैसा माहौल बना दिया है।

राज्य में पब्लिक हेल्थ सिस्टम का अग्रणी बना ठाणे जिला

12 लाख से अधिक नागरिकों को मिला 'आयुष्मान' का कवच

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले ने केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर पूरे राज्य के सामने एक मिसाल पेश की है। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में ठाणे जिले के शानदार प्रदर्शन की विशेष सराहना की गई। जिले में अब तक 12.31 लाख से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड का सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है, जिससे लाखों परिवारों को कैशलेस और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है। प्रशासन ने अब जिले में कुल 56 लाख 96 हजार आयुष्मान कार्ड बांटने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों में युद्ध स्तर पर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

160 अस्पतालों का नेटवर्क और 'हेल्थ फ्रेंड्स' की मेहनत से मिली सफलता

इस बड़ी सफलता के पीछे जिले में सूचीबद्ध 160 सरकारी और निजी अस्पतालों का एक मजबूत नेटवर्क और फील्ड टीमों का बेहतर तालमेल है। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा हमारे लिए केवल एक सेवा नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतिबद्धता है और हमारा लक्ष्य हर पात्र नागरिक तक इस योजना का लाभ पहुँचाना है। स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर और जिला सीनियर कोऑर्डिनेटर डॉ. रवींद्र जगतकर के अनुसार, ट्रेंड 'हेल्थ फ्रेंड्स' और प्रशासनिक सक्रियता की वजह से ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए यह योजना जीवन रक्षक साबित हो रही है। अब प्रशासन इस योजना का दायरा और अधिक बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

ख्वाजा गरीब नवाज उर्दू स्कूल का रजत जयंती समारोह

भिवंडी। भिवंडी की प. एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में ख्वाजा गरीब नवाज उर्दू प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 30 दिसंबर 2025 को एक भव्य रजत जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर केजी से 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, जबकि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शेख नीलोफर को उनकी 26 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए विशेष 'रजत जयंती पुरस्कार' से नवाजा गया। समारोह में पूर्व विधायक रूपेश लक्ष्मण म्हात्रे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए, जहाँ मार्च 2025 के 10वीं कक्षा के टॉपर्स और 25 सफल पूर्व छात्रों (Alumni) को सम्मानित कर उनके संघर्ष और सफलता को सराहा गया। संस्था के सचिव शेख इस्माइल फखरुद्दीन ने विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति का ब्यौरा पेश किया और निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं सहित समर्पित शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों को पदक व ट्रॉफियां प्रदान कर उनके योगदान को रेखांकित किया।

श्रीरामपुर डाक विभाग की डिजिटल छलांग

पुणे रीजन में हासिल किया प्रथम स्थान

शिर्डी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' के सपने को धरातल पर उतारते हुए श्रीरामपुर डाक विभाग ने पुणे रीजन में शीर्ष स्थान हासिल किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 के महीने में श्रीरामपुर डिवीजन में कुल 51,509 लेन-देन हुए, जिनमें से 22,658 (लगभग 44%) ट्रांज़ैक्शन पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों जैसे QR कोड, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के जरिए संपन्न किए गए। यह सफलता न केवल ग्राहकों के बदलते व्यवहार को दर्शाती है, बल्कि डाक विभाग की तकनीकी सक्षमता का भी प्रमाण है।

सफलता के पीछे की रणनीति और टीम वर्क

पुणे रीजन के पोस्टल डायरेक्टर अभिजीत बनसोडे के मार्गदर्शन में श्रीरामपुर डिवीजन के पोस्टल सुपरिटेंडेंट उमेश जनवाड़े ने जुलाई 2025 में इस विशेष अभियान की नींव रखी थी। पिछले छह महीनों के दौरान डाकपालों और ऑपरेटरों को नियमित तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया और ग्राहकों को कैशलेस भुगतान के फायदों के प्रति जागरूक किया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

वृष भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कर्क विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

तुला किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

मकर कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

शनि-बृहस्पति युति का वैदिक ज्योतिषीय विश्लेषण

प्रियंका जैन
9769994439

1. वैदिक ज्योतिष और सूर्य सिद्धांत का आधार : वैदिक ज्योतिष में, मिथुन लग्न (ज्योतिषीय राशिः मिथुन, तत्त्वः वायु, स्वामीः बुध) की कुण्डली में दशम भाव कर्म, व्यवसाय, सामाजिक प्रतिष्ठा, और जीवन में यश का प्रतीक है। दशम भाव का स्वामी मीन राशि का बृहस्पति होता है, जो ज्ञान, धर्म, और समृद्धि का कारक है। शनि और बृहस्पति की युति दशम भाव में होने पर यह एक जटिल और गहन संयोजन बनता है, क्योंकि शनि (कर्म, अनुशासन, विलंब) और बृहस्पति (ज्ञान, विस्तार, शुभता) परस्पर विरोधी प्रकृति के ग्रह हैं। सूर्य सिद्धांत के अनुसार, ग्रहों की स्थिति और गति (खगोलीय गणित) का प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति को सौर मंडल के केंद्र में सूर्य के सापेक्ष मापा जाता है, और शनि-बृहस्पति की युति का प्रभाव खगोलीय दृष्टिकोण से उनके राशिगत और नक्षत्रीय स्थिति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, यदि यह युति मीन राशि (दशम भाव) में हो, तो यह बृहस्पति की स्वराशि में होगी, जिससे बृहस्पति की शक्ति बढ़ेगी, परंतु शनि की मंद गति और संकुचनकारी प्रवृत्ति बृहस्पति के विस्तार को सीमित कर सकती है।

खगोलीय गणितीय दृष्टिकोण: सूर्य सिद्धांत के आधार पर, शनि और बृहस्पति की युति का प्रभाव उनके अंशीय अंतर (degrees of conjunction) पर निर्भर करता है। यदि दोनों ग्रह 0-2 के अंतर पर हों, तो युति अत्यंत प्रबल होगी, जिसे ₹युति दोष₹ भी कहा जाता है। यदि अंतर 5-10 हो, तो प्रभाव मिश्रित होगा। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति और नक्षत्रीय स्थिति (जैसे, पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, या रेवती नक्षत्र में युति) का विश्लेषण आवश्यक है।

2. ज्योतिषीय प्रभाव: मिथुन लग्न में दशम भाव में शनि-बृहस्पति युति के प्रभाव निम्नलिखित हैं:

कर्म और व्यवसायः शनि का प्रभाव कठिन परिश्रम, दीर्घकालिक लक्ष्य, और अनुशासित कार्यशैली को दर्शाता है। बृहस्पति ज्ञान, नीति, और नेतृत्व प्रदान करता है। इस युति से व्यक्ति शिक्षक, सलाहकार, वकील, प्रशासक, या आध्यात्मिक गुरु जैसे क्षेत्रों में सफलता पा सकता है। उदाहरणः यदि युति रेवती नक्षत्र में हो, जो बुध का नक्षत्र है, तो व्यक्ति व्यापार, लेखन, या संचार क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

लाभः बृहस्पति की शुभता के कारण दीर्घकालिक लाभ संभव है, विशेषकर शिक्षा, धर्म, या सामाजिक कार्यों से। शनि की उपस्थिति से यह लाभ धीरे-धीरे और स्थायी रूप से प्राप्त होता है। यदि युति मीन राशि में हो, तो व्यक्ति को विदेशी स्रोतों से लाभ या सामाजिक यश मिल सकता है।

हानिः शनि का प्रभाव कार्य में विलंब, बाधाएँ, और सामाजिक आलोचना ला सकता है। बृहस्पति की अति-आशावादी प्रकृति और शनि की संकुचनकारी प्रवृत्ति के मिश्रण से व्यक्ति निर्णय लेने में भ्रमित हो सकता है। यदि युति अशुभ दृष्टि (जैसे, मंगल या राहु) से प्रभावित हो, तो व्यवसाय में हानि या प्रतिष्ठा को क्षति हो सकती है। सामाजिक व्यवहारः यह युति व्यक्ति को गंभीर, दार्शनिक, और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है।

व्यक्ति समाज में सुधारवादी या परंपरागत दोनों भूमिकाएँ निभा सकता है। उदाहरणः महात्मा गांधी की कुण्डली में शनि-बृहस्पति का प्रभाव उनके सामाजिक सुधार और अनुशासित जीवन में देखा जा सकता है।

पौष पूर्णिमा: संगम तट पर लगी आस्था की डुबकी

हर-हर महादेव और जय गंगा मैया के उद्घोष से गुंजायमान हुआ मेला क्षेत्र

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन माघ मेला 2026 का पौष पूर्णिमा स्नान के साथ आगाज हो गया। पहले दिन 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा व संगम के विभिन्न तटों पर डुबकी लगाई। शनिवार तड़के से ही संगम तट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और दोपहर 12 बजे तक 15 लाख और दो बजे तक करीब 19 लाख श्रद्धालु पुण्य स्नान कर चुके थे। शाम होते-होते यह आंकड़ा 22 लाख को पार कर गया।

प्रशासन के अनुसार पौष पूर्णिमा पर कुल 25-30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के संगम में स्नान करने की संभावना है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शुक्रवार रात से ही संगम तट पर पहुंच गए थे। शनिवार सुबह मेला क्षेत्र के कई मार्गों पर भारी भीड़ के कारण यातायात दबाव देखने को मिला, हालांकि प्रशासन द्वारा सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेला क्षेत्र में बने सभी पांटून पुलों को वन-वे कर दिया गया है और पूरे क्षेत्र को सात सेक्टरों में विभाजित किया गया है।

800 हेक्टेयर में बसी भव्य टेंट सिटी

इस वर्ष माघ मेले को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य स्वरूप देने की तैयारी की गई है। मेला क्षेत्र में करीब 800 हेक्टेयर में टेंट सिटी विकसित की गई है, जबकि पिछले आयोजन में यह क्षेत्र 768 हेक्टेयर का था। प्रशासन का अनुमान है कि इस बार माघ मेले में लगभग 15 करोड़ श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ की तैयारियों के चलते वर्ष 2025 में माघ मेले का आयोजन नहीं हुआ था।

पहली बार रिवर एम्बुलेंस की सुविधा

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस बार माघ मेले में पहली बार दो रिवर एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा 80 एम्बुलेंस मेला क्षेत्र में तैनात की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी अस्पतालों के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की है।

पौष पूर्णिमा स्नान संग कल्पवास का शुभारंभ

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में शनिवार तड़के पौष पूर्णिमा के पावन पर्व के साथ विश्व प्रसिद्ध माघ मेला और कल्पवास का शुभारंभ हो गया। शुभ मुहूर्त में जैसे ही भोर की पहली किरणें फूटीं, संगम तट 'हर-हर गंगे' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु पौष पूर्णिमा स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। भोर से ही संगम तट और आसपास के घाटों पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। माघ मेला प्रभारी ऋषिराज तथा पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज पांडेय ने बताया कि क्षेत्र में सात अपर पुलिस अधीक्षक और 14 पुलिस उपाधीक्षक की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त 29 निरीक्षक, 221 पुरुष उपनिरीक्षक, 15 महिला उपनिरीक्षक, 1,593 पुरुष मुख्य आरक्षी व आरक्षी तथा 136 महिला मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी मेला ड्यूटी में लगाए गए हैं।

माघ मेले की प्रमुख स्नान तिथियां

- मकर संक्रांति – 14 जनवरी 2026
- मौनी अमावस्या – 18 जनवरी 2026
- बसंत पंचमी – 23 जनवरी 2026
- माघी पूर्णिमा – 1 फरवरी 2026
- महाशिवरात्रि – 15 फरवरी 2026

3,800 रोडवेज बसें, विशेष ट्रेन ठहराव

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए झूंसी बस अड्डे से 2,250 बसों का संचालन किया जा रहा है। पूरे मेला क्षेत्र में उत्तर प्रदेश रोडवेज की कुल 3,800 बसें लगाई गई हैं। साथ ही विभिन्न जिलों के लिए शटल बस सेवा भी उपलब्ध है। भारतीय रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, रामबाग और झूंसी स्टेशनों पर कई ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया है, जिनमें लंबी दूरी की ट्रेनें भी शामिल हैं। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने बताया कि मेला क्षेत्र में 15,500 विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। क्यूआर कोड स्कैन करने पर श्रद्धालु अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं या आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे श्रद्धालु अपनी लोकेशन साझा कर तुरंत प्रशासनिक सहायता भी प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक पोल पर सेक्टर, सड़क का नाम और जी-कोड अंकित किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

रिश्वतखोर जिला कृषि पदाधिकारी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने शनिवार को मुजफ्फरपुर के जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार को 19 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए उनके निजी आवास से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी अधिकारी पर एक निविदा कर्मी की सेवा बहाली के बदले दो लाख रुपये घूस मांगने का आरोप है। निगरानी विभाग के अनुसार पीड़ित कर्मी पहले ही 1.81 लाख रुपये की राशि दे चुका था और शेष रकम देने के दौरान जाल बिछाकर कार्रवाई की गई। निगरानी के डीएसपी मिथिलेश कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को पटना ले जाया गया है, जहां उसे विशेष निगरानी अदालत में पेश किया जाएगा।

मुकेश शुक्ल को मिली वॉलीबाल टीम की जिम्मेदारी

प्रयागराज। प्रयागराज के राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत मुकेश शुक्ला को 5 से 9 जनवरी तक आंध्र प्रदेश के कड़प्पा में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूल बालिका वॉलीबाल चैम्पियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश टीम का मुख्य प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा किया जा रहा है। राज्य स्तरीय रेफरी एवं एफआईवीबी लेवल-1 प्रमाणित कोच मुकेश शुक्ला पूर्व में भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्ष 2023 में उनकी कोचिंग में प्रदेश टीम ने राष्ट्रीय वॉलीबाल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। उनकी नियुक्ति पर प्रयागराज के खेल जगत में हर्ष का माहौल है और खेल संगठनों ने उन्हें बधाइयां दी हैं।

प्रो. जयप्रकाश सैनी बने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति

लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी को लखनऊ विश्वविद्यालय का नया कुलपति नियुक्त किया है। इस संबंध में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम. बोबडे द्वारा आदेश जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार प्रो. सैनी कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि तक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर रहेंगे। शिक्षा, शोध और प्रशासन के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए इस नियुक्ति का शिक्षाविदों ने स्वागत किया है

तमिलनाडु से बिहार पहुंचा विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग

गोपालगंज में श्रद्धालुओं ने किया पूजन-अर्चन, उतारी आरती

गोपालगंज। सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था का अद्भुत प्रतीक माने जा रहे विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग ने उत्तर प्रदेश की सीमा पार कर बिहार में प्रवेश कर लिया है। जैसे ही यह विराट शिवलिंग गोपालगंज जिले में पहुंचा, श्रद्धालुओं ने शंख-ध्वनि, ढोल-नगाड़ों और "हर-हर महादेव" के गगनभेदी जयकारों के साथ उसका अलौकिक स्वागत किया। मार्ग के दोनों ओर श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पुष्पवर्षा से वातावरण भक्तिमय हो गया।

तमिलनाडु से आरंभ हुई यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन चेतना का जीवंत उदाहरण बन गई है। यह भव्य शिवलिंग पूर्वी चंपारण में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर के लिए ले जाया जा रहा है और गोपालगंज जिले से गुजरते हुए शनिवार और रविवार को विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के दर्शन का केंद्र बना रहेगा। जगह-जगह भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं का कहना है कि इतनी विशाल और दिव्य आकृति के दर्शन उनके लिए जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। वहीं, यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

10 वर्ष में बना 210 टन वजनी शिवलिंग

गोपालगंज से आगे बढ़ते हुए यह शिवलिंग अब अपने अंतिम गंतव्य पूर्वी चंपारण की ओर अग्रसर है, जहां इसे विराट रामायण मंदिर परिसर में स्थापित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि महाबलीपुरम (तमिलनाडु) में निर्मित यह शिवलिंग 33 फीट ऊंचा और लगभग 210 टन वजनी है। काले ग्रेनाइट के एक ही शिलाखंड से तराशे गए इस शिवलिंग को आकार देने में करीब दस वर्ष का समय लगा है। यह अद्वितीय कृति आज देशभर में श्रद्धा, भक्ति और गौरव का केंद्र बनी हुई है।

झांसी रेल मंडल ने की 1530 करोड़ की कमाई

झांसी। झांसी रेल मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष में बेहतर राजस्व प्रबंधन और सख्त निगरानी व्यवस्था के चलते आय में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में किए गए प्रयासों का सकारात्मक असर दिसंबर 2025 तक की आय पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है।

रेल प्रशासन के अनुसार दिसंबर माह तक झांसी मंडल की संचयी आय बढ़कर 1,530.45 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह 1,448.51 करोड़ रुपये थी। इस प्रकार मंडल ने 81.94 करोड़ रुपये की शुद्ध वृद्धि के साथ 5.66 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की है। वहीं टिकट जांच से होने वाली आय में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। चालू वित्तीय वर्ष में दिसंबर तक टिकट जांच अभियानों से 32.99 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 22.18 करोड़ रुपये था। इस मद में 10.81 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ करीब 48.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

साइबर क्राइम से लड़ेंगे योगी के 'साइबर कमांडो'

यूपी में साइबर अपराध पर सख्त प्रहार की तैयारी

योगी सरकार ने गठित की विशेष प्रशिक्षित यूनिट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से योगी सरकार ने एक विशेष और उच्च प्रशिक्षित "साइबर कमांडो" टीम का गठन किया है। आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ प्रशिक्षण से लैस यह दस्ता डिजिटल अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए तैनात किया गया है। इन साइबर कमांडो का प्रशिक्षण और कार्यप्रणाली एसपीजी और एनएसजी जैसे विशिष्ट सुरक्षा बलों की तर्ज पर विकसित की गई है।

साइबर/सीआईडी के पुलिस महानिदेशक बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर साइबर अपराधों से निपटने के लिए यह विशेष पहल की गई है। पहले चरण में 15 चयनित पुलिसकर्मियों को साइबर कमांडो के रूप में तैयार किया गया है। ये अधिकारी न केवल तकनीकी रूप से दक्ष हैं, बल्कि फील्ड अनुभव और विश्लेषण क्षमता के आधार पर चुने गए हैं।

कानपुर, मद्रास रायपुर में मिला प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि साइबर कमांडो को देश के प्रतिष्ठित तकनीकी और सुरक्षा संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास, नया रायपुर, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (गुजरात) और राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान साइबर फॉरेंसिक, डिजिटल ट्रेसिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी की जांच और आधुनिक डेटा विश्लेषण तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद साइबर कमांडो को पुलिस मुख्यालय और विभिन्न जोनों में तैनात किया गया है।

व्यापार जगत

कोटक महिंद्रा बैंक : छोटे निवेशकों के लिए स्टॉक स्प्लिट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने शेयरों को आम निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बैंक ने स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है, जिससे शेयर की कीमत कम होगी और खुदरा निवेशकों के लिए लेनदेन आसान हो जाएगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से शेयर में लिक्विडिटी बढ़ेगी और ट्रेडिंग गतिविधियों को गति मिलेगी। स्टॉक स्प्लिट के तहत 5 रुपये अंकित मूल्य वाला एक शेयर अब पांच हिस्सों में विभाजित होगा। स्प्लिट के बाद प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू 1 रुपये होगा। हालांकि, निवेशकों की कुल निवेश राशि में कोई बदलाव नहीं होगा, केवल उनके पास मौजूद शेयरों की संख्या पांच गुना हो जाएगी। बैंक की ओर से इस संबंध में पहले ही नवंबर 2025 में संकेत दिए जा चुके थे। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया है कि इस कॉरपोरेट एक्शन के लिए रिकॉर्ड डेट 14 जनवरी 2026 (बुधवार) निर्धारित की गई है। रिकॉर्ड डेट तक जिन निवेशकों के नाम पर शेयर दर्ज होंगे, वही स्टॉक स्प्लिट का लाभ पाने के पात्र होंगे। यह प्रक्रिया सेबी के नियमन 42 के तहत तय की गई है।

निवेशकों को मिलेगी सहूलियत, पांच हिस्सों में विभाजित होगा एक शेयर

फिजिकल शेयरधारकों के लिए अहम सूचना

जिन निवेशकों के पास अभी भी भौतिक (पेपर) शेयर सर्टिफिकेट हैं, उनके लिए विशेष सावधानी जरूरी है। सेबी के नवीनतम नियमों के अनुसार, स्टॉक स्प्लिट के बाद नए शेयर केवल डीमैट रूप में ही जारी किए जाएंगे। यदि रिकॉर्ड डेट तक फिजिकल शेयर डीमैट में परिवर्तित नहीं होते हैं।

एक माह में 2.46 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

शुक्रवार को कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर बीएसई पर 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,195.10 रुपये पर बंद हुआ। बीते एक महीने में शेयर ने 2.46 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है, जबकि एक वर्ष में इसमें करीब 19.56 प्रतिशत की मजबूती देखने को मिली है।

इंडिगो ने पुडुचेरी के लिए बढ़ाई उड़ानों की संख्या

नई दिल्ली। देश की अग्रणी विमानन कंपनी इंडिगो ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ अपने हवाई संपर्क को और सुदृढ़ किया है। एयरलाइन अब सप्ताह में कुल 14 उड़ानों का संचालन कर रही है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इंडिगो ने 20 दिसंबर 2024 से पुडुचेरी के लिए उड़ान सेवाएं शुरू की थीं और अब यहां एक वर्ष का परिचालन पूरा कर लिया है। वर्तमान में ये उड़ानें पुडुचेरी को बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ रही हैं, जिससे यात्रियों को नियमित और सुविधाजनक हवाई सेवा उपलब्ध हो रही है। एयरलाइन के अनुसार, बेहतर हवाई संपर्क से न केवल यात्रा सुगम हुई है, बल्कि इससे स्थानीय निवासियों, छात्रों, पेशेवरों और पर्यटकों को भी सीधा लाभ मिल रहा है।

सिंधुदुर्ग: अब चौबीसों घंटे उड़ान भरेंगे जहाज

महाराष्ट्र के कोंकण में स्थित एयरपोर्ट के लिए DGCA ने दी अनुमति

एजेंसी । नई दिल्ली

महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के लिए अहम माने जाने वाले सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से 24 घंटे विमान संचालन की अनुमति मिल गई है। इस स्वीकृति के तहत अब हवाई अड्डे से कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी सुरक्षित उड़ान संचालन संभव हो सकेगा। डीजीसीए ने सिंधुदुर्ग एयरपोर्ट को 'इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट रूल्स' (आईएफआर) के अनुरूप प्रमाणन प्रदान किया है। इसके तहत उपग्रह आधारित 'रिक्वायर्ड नेविगेशन परफॉर्मेंस' (आरएनपी) प्रक्रियाओं और वैकल्पिक नेविगेशन सहायता प्रणालियों को भी मंजूरी दी गई है।

2021 में शुरू हुआ था व्यावसायिक परिचालन

आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स द्वारा विकसित इस हवाई अड्डे का व्यावसायिक परिचालन अक्टूबर 2021 में शुरू हुआ था। आईआरबी सिंधुदुर्ग एयरपोर्ट के मुख्य सलाहकार और प्रमुख जय एस. सदाना ने कहा कि चौबीसों घंटे और सभी मौसमों में संचालन की अनुमति से हवाई अड्डे की परिचालन क्षमता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे एयरलाइनों का भरोसा मजबूत होगा और कोंकण क्षेत्र में पर्यटन तथा आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

इंदिरा IVF समेत आठ कंपनियों के IPO को मंजूरी

सेबी से स्वीकृति मिलने के बाद एक से डेढ़ साल के भीतर आईपीओ ला सकती हैं कंपनियां

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी (Securities and Exchange Board of India) ने इंदिरा आईवीएफ, जेराई फिटनेस और छह अन्य कंपनियों के आईपीओ पेपर्स (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) को मंजूरी दे दी है। इस कदम के साथ अब इन कंपनियों के लिए अपने आईपीओ को लॉन्च करने का रास्ता साफ हो गया है।

मंजूरी मिलने के बाद कंपनियां तय समय सीमा के भीतर-आम तौर पर एक साल से डेढ़ साल के भीतर -अपने आईपीओ को सार्वजनिक सब्सक्रिप्शन के लिए ला सकती हैं। मंजूरी प्राप्त कंपनियों में रेज ऑफ बिलीफ, टेंपेस इंस्ट्रूमेंट्स, चार्टर्ड स्पीड, श्रीराम फूड इंडस्ट्रीज, आरकेसीपीएल और ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) शामिल हैं।सेबी ने इंदिरा आईवीएफ और श्रीराम फूड इंडस्ट्रीज के ड्राफ्ट पेपर्स को 30 दिसंबर को, रेज ऑफ बिलीफ, आरकेसीपीएल और जेराई फिटनेस के पेपर्स को 31 दिसंबर को, जबकि टेंपेस इंस्ट्रूमेंट्स और ग्लास वॉल सिस्टम्स के पेपर्स को क्रमशः 26 और 29 दिसंबर को मंजूरी दी थी। कॉन्फिडेंशियल रूट से फाइल की गई।

एनटीपीसी ने जीसीआरआई के साथ किया समझौता

आसान और सुलभ होगा कैंसर का उपचार

एजेंसी । नई दिल्ली

रेडियोथेरेपी सुविधाओं के लिए 23.16 करोड़ स्वीकृत

देश की अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने कैंसर उपचार सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। एनटीपीसी वेस्टर्न रीजन-I ने गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (जीसीआरआई) के साथ रेडियोथेरेपी सेवाओं के उन्नयन को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विद्युत मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना के तहत एनटीपीसी ने अहमदाबाद स्थित जीसीआरआई के सिद्धपुर सैटेलाइट सेंटर में रेडियोथेरेपी सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए 23.16 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। यह राशि अत्याधुनिक हाई-एनर्जी लीनियर एक्सीलरेटर (लिनैक) की खरीद और स्थापना पर खर्च की जाएगी, जिससे उन्नत कैंसर उपचार की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

एनटीपीसी और जीसीआरआई ने स्वास्थ्य सहयोग समझौता किया

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान जीसीआरआई के निदेशक डॉ. शशांक पंड्या और एनटीपीसी वेस्ट-I के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक ई. सत्य फणी कुमार के बीच किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी और जीसीआरआई के वरिष्ठ अधिकारी तथा सीएसआर टीम के सदस्य उपस्थित रहे। एनटीपीसी प्रबंधन ने कहा कि यह पहल समावेशी विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस सहयोग से क्षेत्र के कैंसर रोगियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण रेडियोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।

कांग्रेस का 'मनरेगा बचाओ संग्राम'

- 10 जनवरी से देशव्यापी आंदोलन का आगाज़
- वीबी-जी राम जी अधिनियम को न्यायालय में चुनौती देगी
- 45 दिनों तक चलेगा यह अभियान

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। शनिवार को पार्टी ने घोषणा की कि वह 10 जनवरी से 45 दिवसीय 'मनरेगा बचाओ संग्राम' शुरू करेगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को उसके मूल स्वरूप में बहाल कराना और नए कानून को वापस लेना है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन गांव की चौपालों से लेकर देश के बड़े शहरों तक फैला होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए नए कानून को 'विनाश भारत' की गारंटी करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा के स्थान पर जो नया कानून बनाया है, वह योजना के विकेंद्रीकरण को खत्म कर सत्ता को दिल्ली में केंद्रित कर देगा।

न्यायालय में दी जाएगी कानूनी चुनौती

पार्टी ने केवल सड़कों पर ही नहीं, बल्कि कानूनी मोर्चे पर भी सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। पार्टी का तर्क है कि मनरेगा एक 'अधिकार आधारित' कानून था, जिसे नया अधिनियम कमजोर कर रहा है। 27 दिसंबर को कांग्रेस कार्य समिति (CWC) की बैठक में इस कानूनी और जमीनी संघर्ष की रणनीति पर अंतिम मुहर लगाई गई थी।

फंडिंग और राज्यों पर बढ़ता बोझ

अभियान की घोषणा करते हुए केसी वेणुगोपाल ने डेटा के साथ सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नया कानून कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने का दावा तो करता है, लेकिन हकीकत में केंद्र के धन आवंटन को 90 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर सारा आर्थिक बोझ राज्य सरकारों और गरीब पंचायतों पर डाल रही है, जिससे अंततः यह योजना दम तोड़ देगी।

फरवरी में 'विधानसभा घेराव' और रैलियां

आंदोलन के दूसरे चरण में 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तर पर धरने दिए जाएंगे और ज्ञापन सौंपे जाएंगे। 7 से 15 फरवरी के बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (PCC) के नेतृत्व में राज्य विधानसभाओं का घेराव किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य इस चरण में केंद्र की उन नीतियों को उजागर करना है जो राज्यों के अधिकारों का हनन कर रही हैं। यह शक्ति प्रदर्शन दिल्ली के बजाय राज्यों की राजधानियों पर केंद्रित होगा।

चार बड़ी क्षेत्रीय रैलियों के साथ समापन

'मनरेगा बचाओ संग्राम' का समापन 16 से 25 फरवरी के बीच चार विशाल क्षेत्रीय रैलियों के साथ होगा। ये रैलियां देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित की जाएंगी, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर एक कड़ा संदेश भेजा जा सके। एआईसीसी जल्द ही इन रैलियों के सटीक स्थानों और तिथियों की घोषणा करेगी। कांग्रेस का मानना है कि अन्य विपक्षी दल और सामाजिक संगठन भी इस मुद्दे पर उनके साथ जुड़ेंगे।

मल्लिकार्जुन खरगे की तीन प्रमुख मांगें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की तीन मुख्य मांगें दोहराई हैं। उन्होंने कहा कि 'जी राम जी' कानून तुरंत वापस लिया जाए, मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के रूप में बहाल किया जाए, और पंचायतों के काम करने के अधिकार को सुरक्षित किया जाए। खरगे ने जोर देकर कहा कि मनरेगा कोई खैरात नहीं, बल्कि गरीबों की कानूनी गारंटी है जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने देगी।

पंचायत से विधानसभा तक विरोध का खाका

अभियान के विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार, 10 जनवरी को जिला स्तर पर प्रेस वार्ता होगी, जिसके बाद 11 जनवरी को देशव्यापी प्रतीकात्मक उपवास रखा जाएगा। 12 से 29 जनवरी तक देश की हर ग्राम पंचायत में 'चौपाल' और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के पत्र हर श्रमिक और ग्राम प्रधान तक पहुँचाए जाएंगे। विधानसभा स्तर पर भी नुक्कड़ सभाओं और पर्चा वितरण के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी।

गुजरात के गांधीनगर में टाइफाइड का कहर

100 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में टाइफाइड के मामलों में अचानक तेज बढ़ोतरी से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। बीते तीन दिनों में 100 से अधिक लोग, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं, गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और सरकार दोनों स्तर पर त्वरित कदम उठाए गए हैं। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने शनिवार को सिविल अस्पताल पहुंचकर हालात की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि फिलहाल 104 संदिग्ध टाइफाइड मरीज भर्ती हैं और सभी का इलाज जारी है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जिले के कलेक्टर से फोन पर कई बार बात कर स्थिति की जानकारी ली और शाम को दोबारा समीक्षा करने की बात कही है।

अस्पताल में बढ़ाई गई चिकित्सा व्यवस्था

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मरीजों के इलाज के लिए 22 डॉक्टरों की विशेष टीम बनाई गई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी इंतजाम किया गया है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें डिप्टी कलेक्टर भी शामिल हैं, को मौके पर निगरानी के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी तरह की लापरवाही न हो। सिविल अस्पताल की मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. मीता पारिख ने बताया कि सेक्टर-24, 25, 26, 28 और आदिवाड़ा इलाके से मरीज सामने आए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

राहुल गांधी को बार-बार विदेश कौन बुलाता है- सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बार-बार विदेशी दौरे को लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी प्रवक्ता व सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस से पूछा कि जिन्हें देश में कोई मंच नहीं देता,उन्हें विदेश में बार-बार कौन बुलाता है? त्रिवेदी ने कहा है कि राहुल गांधी सबसे अधिक विदेश यात्राएँ करने वाले नेता प्रतिपक्ष हैं और हर बार भारत-विरोधी तत्वों से जुड़ते दिखते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के सवाल से भागने का आरोप लगाते हुए कहा कि गाज़ा पर बोलने वाली कांग्रेस हिंदुओं के मुद्दे पर संवेदनहीन और पक्षपाती रवैया दिखाती है।

चुनाव आयोग का पांच अफसरों पर केस दर्ज करने का निर्देश

कोलकाता। भारत के चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को गंभीर लापरवाही और वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जोड़ने के लिए पांच अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। दरअसल, अगस्त में, चुनाव आयोग ने दो ईआरओ और दो एईआरओ को गंभीर लापरवाही बरतने और अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने, डाटा सुरक्षा नीति का उल्लंघन करने और अनधिकृत व्यक्तियों के साथ ईआर डाटाबेस के लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने के लिए निलंबित करने और एफआईआर का निर्देश दिया था। इन अधिकारियों में दक्षिण 24 परगना के ईआरओ देबोत्तम दत्ता चौधरी, एईआरओ तथागत मंडल और उनके डाटा एंट्री ऑपरेटर सुरोजीत हलदर, पूर्व मेदिनीपुर ईआरओ बिप्लब सरकार और एईआरओ सुदीप्त दास शामिल हैं।

सुकमा और बीजापुर मुठभेड़ में 14 नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी बस्तर संभाग में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक बड़े नक्सल विरोधी अभियान को अंजाम देते हुए कुल 14 माओवादियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुकमा और बीजापुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (DRG) की टीमों को तलाशी अभियान के लिए रवाना किया गया था। बीजापुर में तड़के 5 बजे और सुकमा में सुबह 8 बजे के करीब सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच आमना-सामना हुआ, जिसके बाद दोनों ओर से रुक-रुक कर भारी गोलीबारी शुरू हो गई।

भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद

सघन तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थलों से अब तक कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें से 12 सुकमा जिले और 2 बीजापुर जिले से मिले हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से बड़ी संख्या में घातक और आधुनिक हथियार बरामद हुए हैं, जिनमें एके-47 (AK-47), इंसास (INSAS) और एसएलआर (SLR) राइफल्स शामिल हैं। सुरक्षाबलों की इस कामयाबी को बस्तर में नक्सलवाद की कमर तोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि मुठभेड़ स्थल से बरामद युद्ध सामग्री माओवादियों के बड़े हमले की योजना की ओर इशारा करती है। नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान अभी भी जंगल के भीतरी इलाकों में जारी है, जिसके कारण अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से ऑपरेशन में शामिल जवानों की संख्या और सटीक स्थान जैसी संवेदनशील जानकारियां साझा नहीं की हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल की शुरुआत में ही अब तक 14 नक्सली मारे जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 285 तक पहुंच गई थी। बस्तर रेंज में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की आक्रामक रणनीति जारी है ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बहाल किया जा सके।

सिडनी में बहती है दुनिया की 'सबसे अच्छी' हवा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर को दुनिया की 'सबसे अच्छी' हवा वाला शहर चुना गया है। मौसम विशेषज्ञों ने तापमान, नमी, हवा की गति और दिशा जैसे चार कारकों का विश्लेषण कर यह निष्कर्ष निकाला है। सिडनी ने 100 में से 96.4 का स्कोर पाया है। रिसर्च में 100 से अधिक लोकप्रिय जगहों को जांचा गया। सिडनी का मौसम गर्मियों में भी आरामदायक रहता है और समुद्री वातारण हवा को ताजा बनाता है। ब्राजील का रियो डी जनेरियो शहर इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर रहा है।

घुड़दौड़: किंग के लिए अवसर

मुंबई। रविवार को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर मुंबई घुड़दौड़ सत्र के छठें दिन कुल आठ दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। मुख्य दौड़ में पेसी श्रॉफ द्वारा प्रशिक्षित किंग के बेहतर है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ दोपहर 1.30 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- स्पॉटलाईट (प्र.), मिला (द्वि.), 2- डेडिकेशन (प्र.), दियागो गार्शिया (द्वि.), 3- टॉयरनास (प्र.), मनी अफेयर (द्वि.), 4- मार्गरेटा (प्र.), मिस्टिका (द्वि.), 5- किंग के (प्र.), किमिको (द्वि.), 6- आरियाना स्टॉर (प्र.), यू (द्वि.), 7- एनफोर्सर (प्र.), एकितानिया (द्वि.), 8- अगाथा (प्र.), वी स्टील बिलीव (द्वि.), दिन का सर्वोत्तमः एनफोर्सर।

आ गई 'सुप्रीम' फैसले की तारीख

- दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर 5 जनवरी को फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट 5 जनवरी को दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाएगा। जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की बेंच ने दिसंबर महीने में लंबी दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन आरोपियों पर यूएपीए जैसे कड़े कानून के तहत केस दर्ज हैं। इन पर 2020 दिल्ली दंगों का मास्टरमाइंड होने का आरोप है। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 700 से अधिक घायल हुए थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने इन आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

दिसंबर में हुई थी दलीलें

इन आरोपियों ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की बेंच 5 जनवरी को उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाएगी। दिसंबर महीने में सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों की दलीलों पर गौर किया था।

दिग्गजों ने रखा था पक्ष

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पक्ष रक्षा था। वहीं आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा ने दलीलें रखी थीं। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सर्वोच्च अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने लिखा था लेटर

हाल ही में उमर खालिद की जेल का मामला तब गरमा गया था जब न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा था कि प्रिय उमर, मैं कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की आपकी बात को याद करता हूं। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं। इस लेटर को लेकर देश का सियासी माहौल गरम हो गया था। भाजपा ने ममदानी पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया था। BJP ने साफ कर दिया था कि देश ऐसी किसी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा।

क्या है आरोप?

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA एक आतंकवाद विरोधी कानून है। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों पर यूएपीए और पुरानी आईपीसी की धाराओं के तहत केस दर्ज है। इन आरोपियों पर 2020 के दंगों का मास्टरमाइंड होने का आरोप है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (CAA) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह हिंसा भड़की थी।

रिसिन आतंकी साजिश की जांच एनआईए को सौंपी

गुजरात एटीएस ने पकड़े थे तीन संदिग्ध

एजेंसी । अहमदाबाद

बीते साल नवंबर में गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) देश में रसायनिक हमले की खतरनाक साजिश का भंडाफोड़ किया था। गुजरात में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकियों के पास से रिसिन जहर मिला था। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित रिसिन जहर आतंकी साजिश की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है, जिसकी जानकारी गुजरात एटीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार (03 जनवरी) को दी।

एनआईए को जांच सौंपने का आदेश

एजेंसी ने तीनों पर सख्त UAPA गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था, साथ ही भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम भी लगाया था। पुलिस अधीक्षक (एटीएस) के सिद्धार्थ ने जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्रालय ने रिसिन केमिकल साजिश से जुड़े UAPA मामले को एनआईए को सौंपने का आदेश दिया है।र आतंकी साजिश की जांच करने वाली गुजरात एटीएस ने हैदराबाद के रहने वाले डॉ. सैयद को 7 नवंबर को गांधीनगर के अडालज के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 जिंदा कारतूस और चार लीटर अरंडी के तेल के साथ गिरफ्तार किया था।

बंगाल भाजपा की सियासी बिसात पर दिलीप घोष की वापसी

- विधानसभा चुनाव से पहले 'लंबी पारी' के संकेत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा की राजनीति में एक बार फिर दिलीप घोष का नाम चर्चा के केंद्र में है। कोलकाता के ईको पार्क की सुबह की सैर, न्यू टाउन स्थित उनके आवास पर बढ़ती भीड़ और लगातार बजते फोन इस बात के संकेत हैं कि बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष की सियासी प्रासंगिकता एक बार फिर लौट आई है। इसी के साथ पार्टी के अंदरखाने में अब यह आकलन तेज हो गया है कि दिलीप घोष केवल औपचारिक वापसी नहीं कर रहे, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले वह एक परिपक्व और लंबी राजनीतिक पारी खेलने की तैयारी में हैं।

बीते कुछ वर्षों तक दिलीप घोष एक अजीब सियासी स्थिति में रहे। वह पार्टी में थे, लेकिन सक्रिय नहीं दिखते थे। उन्हें भाजपा की गाड़ी, ड्राइवर और केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा मिली रही, मगर प्रधानमंत्री की बंगाल रैलियों से लेकर बड़े संगठनात्मक कार्यक्रमों तक वे नजर नहीं आए। यहां तक राज्य इकाई की कार्ययोजना में भी उन्हें लगभग दरकिनार ही कर दिया गया था। पार्टी नेताओं का जवाब भी हमेशा गोलमोल रहा, 'दिलीप घोष केंद्रीय नेता हैं, उनके बारे में फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा।" वहीं घोष खुद कहते रहे कि 'मैं पार्टी में हूं, कहीं गया नहीं हूं।'

संकट मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलाने की तैयारी

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को बनाया बंधक

- वेनेजुएला के समर्थन नें उतरे रूस और ईरान

काराकस। अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया एडेला अब अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में हैं। उन्हें वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है। अमेरिका ने बीती रात करीब 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे) वेनेजुएला के 4 शहरों पर हमले किए थे। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने मिलिट्री ठिकानों और खास जगहों को निशाना बनाया। वेनेजुएला में तड़के अचानक तेज धमाकों से नींद खुली तो लोगों को कुछ पल तक समझ ही नहीं आया कि हो क्या रहा है। कुछ ही देर में आसमान गूंज उठा, जमीन कांपने लगी और बेहद नीचे उड़ान भरते लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट से पूरे काराकस में अफरातफरी मच गई। घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए। कोई इधर-उधर भागता दिखा, तो किसी ने डर के मारे दरवाजे बंद कर खुद को घरों में कैद कर लिया।

अमेरिका में भी सवाल उठे

अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाउ ने इसे 'वेनेजुएला के लिए नया सवेरा' बताया और कहा कि 'तानाशाह चला गया।' वहीं अमेरिका के भीतर ही इस कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। सांसदों के एक वर्ग ने कहा कि संसद की अनुमति या युद्ध की औपचारिक घोषणा के बिना किसी संप्रभु देश पर हमला गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

वेनेजुएला में इमरजेंसी लागू

अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने बयान जारी कर कहा था कि वे जवाब देंगे। उन्होंने देशभर में इमरजेंसी लगाने का ऐलान किया था। उनके बयान जारी करने के 1 घंटे बाद ट्रम्प ने उन्हें पकड़ने का ऐलान किया।

वेनेजुएला पर हमले की 3 बड़ी वजह

1. अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं।
2. अमेरिकी प्रशासन के मुताबिक वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था।
3. अमेरिका यह भी दावा करता है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे।

रूस, क्यूबा और ईरान ने निंदा की

रूस, क्यूबा और ईरान ने अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की है। रूस ने इसे 'सशस्त्र आक्रमण' करार देते हुए सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का समर्थन किया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला को बिना किसी बाहरी, विशेषकर सैन्य हस्तक्षेप के अपने भविष्य का फैसला करने का अधिकार है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। लैटिन अमेरिका के कई देशों ने भी चिंता जताई है। कोलंबिया ने वेनेजुएला से बड़े पैमाने पर शरणार्थियों के आने की आशंका जताई है।

कोने-कोने से...

अमरावती में पहली बार सीएम का रोड शो आज

अमरावती। अमरावती महानगरपालिका के चुनावी इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री/उपमुख्यमंत्री स्तर के नेता द्वारा रोड शो का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों में भारी उत्साह है। यह रोड शो कल, रविवार 4 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे पंचवटी चौराहे से शुरू होगा और शेगांव नाका, नया कॉटन मार्केट, चौधरी चौक, जयस्तंभ चौक, राजकमल चौक तथा गांधी चौक जैसे प्रमुख व्यस्त क्षेत्रों से होता हुआ साईनगर स्थित साई मंदिर पर समाप्त होगा। रविवार का अवकाश होने के कारण शहर भाजपा के पदाधिकारियों को इस मेगा प्रचार रैली में भारी जनसमूह उमड़ने की उम्मीद है, जिसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस महत्वपूर्ण चुनावी दौरे की तैयारियों के लिए होटल ग्रैंड महफिल में विधायक संजय कुटे, सांसद डॉ. अनिल बोंडे और प्रवीण पोटे पाटिल जैसे दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में एक विशेष नियोजन बैठक संपन्न हुई। वर्तमान में अमरावती भाजपा के भीतर युवा स्वाभिमान पार्टी (रवि राणा गुट) के साथ गठबंधन और टिकट वितरण को लेकर चल रही आंतरिक खींचतान के बीच फडणवीस का यह रोड शो पार्टी की एकजुटता और ताकत दिखाने का एक बड़ा जरिया माना जा रहा है।

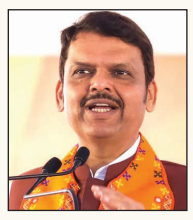

चुनाव आयोग को बंद कर देना चाहिए: प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट की वरिष्ठ महिला नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव चोरी हो रहा है। राज्य चुनाव आयोग अंधा है। महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में खुलेआम धांधली हो रही है। चुनाव आयोग को बंद कर देना चाहिए। चुनाव आयोग को अब बीजेपी ऑफिस से काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वकर निकाय चुनाव में खुलेआम धमकी दे रहे हैं। प्रियंका ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए।

कल्याण डोंबिवली नगर निगम चुनाव मैदान में 490 उम्मीदवार

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका चुनाव के लिए दाखिल किए गए कुल 860 नामांकनों में से अब केवल 490 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। जांच के दौरान 695 आवेदन वैध पाए गए थे, लेकिन नाम वापसी के अंतिम दिन 205 उम्मीदवारों ने अपने पर्चे वापस ले लिए। इस प्रक्रिया के बाद सत्ताधारी महायुति ने मतदान से पहले ही मनोवैज्ञानिक बढ़त बना ली है, जहाँ भाजपा के 14 और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 6 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इन उम्मीदवारों में रेखा चौधरी (वार्ड 18A), आसावरी नवरे (26C), और रमेश म्हात्रे (प्रभाग 24) जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इस बार चुनावी मैदान में विविधता देखी जा रही है, जिसमें डॉक्टर, वकील और उच्च शिक्षित युवाओं के साथ-साथ ठेकेदार और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल हैं।

क्या बोलती पब्लिक

इस बार मतदाता सिर्फ़ भाषण नहीं, हिसाब चाहता है। पिछले कार्यकाल में क्या बदला, क्या अधूरा रहा- यही सवाल वोट तय करेगा। चेहरों से ज़्यादा भरोसे और काम की सच्चाई जनता की कसौटी बनेगी।

–साकेत सिंह, मीरा रोड

अब वोट मांगने से पहले सुनना ज़रूरी है। गली, स्कूल, अस्पताल और रोज़गार की हकीकत मतदाता जानता है। जो नेता समस्या समझेगा, वहीं समर्थन पाएगा। चुनाव जनता के सब्र और समझ की परीक्षा है।

–दीक्षा सिंह, मीरा रोड

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सएप्प करें।

विश्लेषण

मुंबई महानगरपालिका

मुंबई की चुनावी सियासत में अब चढ़ेगा जातीय गणित का खुमार

अमित बृज । मुंबई

देश की सबसे अमीर नगर पालिका, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) की 227 सीटों के लिए होने वाला आगामी चुनाव इस बार 'करो या मरो' की जंग में तब्दील हो गया है। विशेष रूप से उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) के लिए यह चुनाव उनके राजनीतिक अस्तित्व और ठाकरे परिवार के आखिरी गढ़ को बचाने की चुनौती है। इस बार समीकरण दिलचस्प हैं, क्योंकि उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई राज ठाकरे (MNS) के साथ हाथ मिलाया है, जबकि सत्तारूढ़ खेमे में बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना एक साथ मैदान में हैं।

227 वार्ड, 4 वोट-बैंक, 2 गठबंधन... जातीय समीकरणों का दांव

मराठी मानुष का वोटबैंक और 'ठाकरे' फैक्टर

मुंबई की राजनीति की धुरी हमेशा से 'मराठी मानुष' रही है, जिनकी आबादी यहाँ लगभग 25 से 30 प्रतिशत है। दादर, परेल, लालबाग और गिरगांव जैसे इलाकों में इनका सबसे ज्यादा प्रभाव है। पिछले चुनावों में 227 में से लगभग 150 पार्षद इसी समुदाय से आए थे। इस बार शिवसेना के दोनों धड़े और मनसे, तीनों की नजरें इसी कोर वोटबैंक पर टिकी हैं। उद्धव ठाकरे के लिए यह साबित करने का मौका है कि असली शिवसेना और मराठी मतदाताओं का भरोसा अभी भी उनके साथ है।

मराठी बाहुल्य वार्ड

- **G NORTH**: दादर, धारावी, शिवाजी पार्क, और माहिम मुंबई में मराठी केंद्र
- **F SOUTH** : परेल, शिवड़ी, कालाचौकी, नायगांव और लालबाग गिरणी मिल मजदूरों का इलाका,
- **G SOUTH** : वर्ली,प्रभादेवी, लोअर परेल, वर्ली कोलीवाड़ा
- **S WARD** : भांडुप और विक्रोली, कांजुरमार्ग
- **K EAST** : विले पार्ले ईस्ट, अंधेरी ईस्ट का इलाका
- **D WARD** : गिरगांव और खेतवाड़ी
- **T WARD** : मुलुंड पूर्व का इलाका मराठी बाहुल्य
- **R CENTRAL** : बोरीवली और दहिसर के कई हिस्से मराठी भाषी

50 से 60 वार्ड में उत्तर भारतीयों का वर्चस्व

मराठियों के बाद मुंबई में सबसे ज्यादा 20 से 25 फीसदी उत्तर भारतीय वोटर हैं, जिसमें खासकर यूपी, बिहार के लोग हैं ।कांदिवली, मलाड, मीरा भयंदर, कुर्ला, गोरेगांव, और घाटकोपर के इलाकों में उत्तर भारतीयों की अच्छी खासी तादाद है, जिनका झुकाव बीजेपी और कांग्रेस की तरफ रहा है ।227 वार्डों में से लगभग 50 से 60 वार्ड ऐसे हैं, जहां उत्तर भारतीय वोटर निर्णायक स्थिति में हैं ।

उत्तर भारतीय बहुल वार्ड

- **P NORTH** (मालवणी-मलाड): यहां वार्ड नंबर 33, 48 और 163 जैसे इलाके में उत्तर भारतीय सर्वाधिक
- **R SOUTH** (कांदिवली): कांदिवली ईस्ट और वेस्ट के कई पॉकेट जैसे पोयसर और हनुमान नगर
- **P SOUTH** (गोरेगांव): आरे कॉलोनी और संतोष नगर में उत्तर भारतीय कामगार और मिडिल क्लास लोग
- **L WARD** (कुर्ला): कुर्ला के जरी-मरी, साकीनाका और बैल बाजार जैसे क्षेत्रों में घनी आबादी
- **M EAST** (गोवंडी, मानखुर्द): शिवाजी नगर और बैंगनवाड़ी में उत्तर भारतीय और मुस्लिम आबादी ज्यादा
- **S WARD** (भांडुप, पवई): पवई के कुछ झुग्गी झोपड़ी और भांडुप के कुछ एरिया में भी उत्तर भारतीय
- **K EAST** (अंधेरी ईस्ट): मरोल, गुंदावली और एमआईडीसी (MIDC) एरिया में भी नार्थ इंडियन

मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका

मुंबई में लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इलाकों जैसे गोवंडी और भिंडी बाजार में इस बार मुकाबला कड़ा है। दिलचस्प बात यह है कि शिवसेना (UBT) ने इस बार बड़ी संख्या में मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं, जो पार्टी की बदली हुई छवि को दर्शाता है। हालांकि, कांग्रेस, सपा और AIMIM भी इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी हैं।

मुस्लिम बहुल वार्ड

- **M EAST** गोवंडी, मानखुर्द, शिवाजी नगर में मुस्लिम आबादी सबसे घनी, सपा का गढ़
- **L WARD** कुर्ला, साकीनाका, जरी-मरीकुर्ला वेस्ट और साकीनाका के वार्ड
- **B WARD** डोंगरी, मोहम्मद अली रोड, भिंडी बाजार
- **E WARD** भायखला, मदनपुरा, नागपाड़ा, मदनपुरा और भायखला के वार्ड
- **P NORTH** मालवणी (मलाड), मालवद मालवणी मुंबई
- **H EAST** बांद्रा (ईस्ट) में बेहरामपाड़ा, भारत नगर, मातोश्री के पास

गुजराती-मारवाड़ी वोटर्स

बीजेपी इस चुनाव में 'मराठी बनाम गैर-मराठी' के दायरे से बाहर निकलकर समावेशी रणनीति पर काम कर रही है। शहर में 17 प्रतिशत आबादी रखने वाले गुजराती और मारवाड़ी समुदाय का झुकाव पारंपरिक रूप से बीजेपी की ओर रहा है। दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल से लेकर मुलुंड और बोरीवली तक यह समुदाय व्यापारिक और राजनीतिक रूप से काफी प्रभावशाली है। बीजेपी शिंदे गुट के साथ मिलकर मराठी और व्यापारी वर्ग के बीच एक मजबूत सेतु बनाने की कोशिश कर रही है ताकि बीएमसी की सत्ता पर कब्जा किया जा सके।

गुजराती और मारवाड़ी बहुल प्रमुख वार्ड

- R CENTRAL बोरीवली (वेस्ट), मगा ठाणे में गुजराती और मारवाड़ी ज्यादा
- **R SOUTH** कांदिवली (पश्चिम), महावीर नगर को मिनी गुजरात भी कहते हैं
- **N WARD** घाटकोपर (ईस्ट और वेस्ट)घाटकोपर इलाका गुजराती बहुल है
- **T WARD** मुलुंड (वेस्ट)मुलुंड गुजराती-मारवाड़ी वाला इलाका
- **D WARD** मालाबार हिल, ग्रांट रोड, वॉकेश्वर
- **C WARD** कालबा देवी, भूलेश्वर, मरीन लाइंस पुराने गुजराती कारोबारी परिवारों का गढ़
- **K WEST** विले पार्ले (वेस्ट), जुहू, अंधेरी (वेस्ट) के कई हिस्सों में गुजराती- जैन समुदाय

एक्सपर्ट व्यू

मुंबई का यह महासंग्राम उसी के नाम होगा, जो मराठी अस्मिता, उत्तर भारतीय प्रभाव, मुस्लिम वोट और कारोबारी वर्ग—इन चारों ध्रुवों के बीच संतुलन बनाते हुए विकास की विश्वसनीय कहानी भी पेश कर सके।

– सुरेंद्र बाजपाई, राजनीतिक विशेषज्ञ

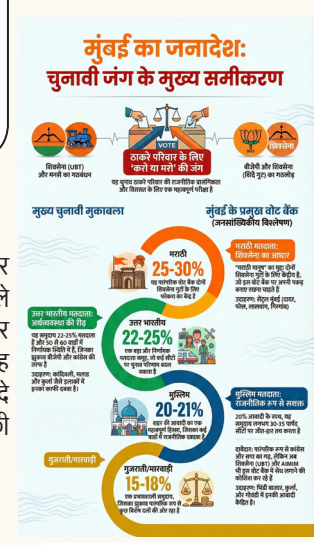

दक्षिण भारतीय व अन्य समुदाय

मायावी नगरी मुंबई में दक्षिण भारतीय राज्यों के लोग, ईसाई, पंजाबी सिख और दलित वोटर भी हैं। धारावी, माटुंगा और चेंबूर जैसे इलाकों में इनकी पकड़ है ।दलित वोटरों पर रिपब्लिकन पार्टी (RPI) का भी प्रभाव है ।बांद्रा, मझगांव और विले पार्ले में ईसाइयों की अच्छी संख्या हैं।

अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र

कांग्रेस के गढ़ में शिवसेना की सेंधमारी

धीरज सिंह । मुंबई

बीएमसी चुनाव में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी जंग का असली चेहरा साफ हो गया है। अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 8 वार्ड आते हैं। भौगोलिक दृष्टि से इनमें से चार वार्ड पूरी तरह इसी विधानसभा क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में हैं, जबकि शेष 4 वार्ड आंशिक रूप से पड़ोसी क्षेत्रों-जोगेश्वरी और विले पार्ले-के बीच विभाजित हैं। नामांकन के बाद अब सभी राजनीतिक दलों ने अपनी गोटियां बिछाना शुरू कर दिया है।

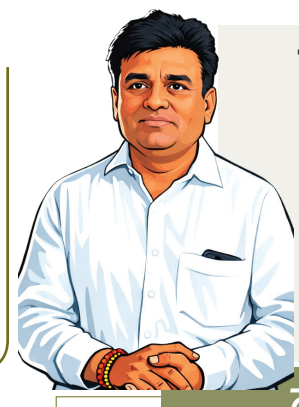

पिछला गणित : 2017 के नतीजों में भाजपा का पलड़ा रहा था भारी

यदि 2017 के बीएमसी चुनाव परिणामों पर नजर डालें, तो इस क्षेत्र के 6 प्रमुख वार्डों में भाजपा का वर्चस्व दिखाई दिया था। उस समय भाजपा ने 3 वार्डों में जीत दर्ज की थी, जबकि अविभाजित शिवसेना को 2 और कांग्रेस को 1 सीट मिली थी। दिलचस्प बात यह है कि जहां शिवसेना जीती वहां भाजपा दूसरे नंबर पर थी, और भाजपा की जीत वाले वार्डों में शिवसेना और कांग्रेस कड़ी टक्कर देते हुए दूसरे स्थान पर रहे थे।

जनाधार में बदलाव

अंधेरी पूर्व कभी कांग्रेस का अभेद्य किला माना जाता था, लेकिन पिछले एक दशक में यहां की राजनीति ने करवट ली है। इस क्षेत्र में लगभग एक-तिहाई मतदाता मराठी भाषी हैं, जिसका सीधा लाभ शिवसेना को मिला और वह यहां एक प्रमुख शक्ति बनकर उभरी।

स्थानीय मुद्दे : ट्रैफिक और पुनर्विकास में देरी से जनता त्रस्त

अंधेरी पूर्व की जनता विकास के दावों के बीच कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है। अंधेरी-कुर्ला रोड पर लगने वाला भारी ट्रैफिक जाम और मेट्रो निर्माण के कारण होने वाली असुविधा सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, झोपड़पट्टी पुनर्विकास (SRA) परियोजनाओं में हो रही देरी ने निवासियों में भारी नाराजगी पैदा की है। जल निकासी, स्वच्छता और मानसून में होने वाला जलभराव इस बार चुनाव में बड़े मुद्दे बनकर उभर रहे हैं।

विरासत और सत्ता की जंग: लटके परिवार से मुरजी पटेल तक

इस क्षेत्र का राजनीतिक इतिहास रमेश लटके के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिन्होंने 2014 और 2019 में यहां जीत हासिल की थी। उनकी मृत्यु के बाद 2022 के उपचुनाव में उनकी पत्नी ऋतुजा लटके विजयी हुईं। हालांकि, 2024 के समीकरण बदल गए। शिवसेना (उद्धव गुट) ने ऋतुजा लटके पर फिर भरोसा जताया, लेकिन उन्हें शिवसेना (शिंदे गुट) के मुरजी पटेल के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा, जिससे क्षेत्र का शक्ति संतुलन बदल गया।

वॉर्ड वाइज विश्लेषण

- वॉर्ड क्रमांक 75: वॉर्ड क्रमांक 75 (अंधेरी पूर्व/जोगेश्वरी) में मुकाबला काफी कड़ा होने वाला है, जहाँ महायुति की ओर से भाजपा ने उमेश राणे को उम्मीदवार बनाया है, जबकि महाविकास अघाड़ी के तहत शिवसेना (UBT) ने अपने अनुभवी और वफादार पूर्व नगरसेवक प्रमोद सावंत पर दांव लगाया है और कांग्रेस ने यहाँ से इमरान खलील शेख को मैदान में उतारा है। 'सर्वसामान्य' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले इस प्रभाग में मराठी, मुस्लिम और उत्तर भारतीय मतदाताओं का मिश्रित प्रभाव है।
- वॉर्ड क्रमांक 76: वॉर्ड क्रमांक 76 (अंधेरी पूर्व/साकीनाका) में मुकाबला काफी कड़ा है, जहाँ भाजपा ने अपने अनुभवी उम्मीदवार प्रकाश मुसले को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) की ओर से बबन रामचंद्र मदाने उन्हें महायुति के भीतर और बाहर से चुनौती दे रहे हैं। यह वॉर्ड मुख्य रूप से साकीनाका और अंधेरी-कुर्ला रोड के औद्योगिक और घनी आबादी वाले क्षेत्रों को कवर करता है, जहाँ की सबसे बड़ी समस्या भयानक ट्रैफिक जाम, संकरी सड़कें और मानसून के दौरान होने वाला जलभराव है। स्थानीय मतदाता इस बार बुनियादी नागरिक सुविधाओं के साथ-साथ झोपड़पट्टी पुनर्विकास (SRA) योजनाओं में तेजी लाने की मांग कर रहे हैं, और 15 जनवरी को होने वाले मतदान में उत्तर भारतीय और मराठी भाषी मतदाताओं का झुकाव ही यहाँ की जीत-हार तय करेगा।
- वॉर्ड क्रमांक 80: वॉर्ड क्रमांक 80 (अंधेरी पूर्व/के-ईस्ट वॉर्ड) में राजनैतिक समीकरण काफी दिलचस्प हैं, जहाँ भाजपा ने दिशा यादव को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है। यह प्रभाग मुख्य रूप से 'ओबीसी महिला' या 'ओबीसी' श्रेणी (सीट आरक्षण के आधार पर) के प्रभाव में आता है, जहाँ भाजपा और शिवसेना (UBT) के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है।
- वॉर्ड क्रमांक 81: मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के लिए वॉर्ड क्रमांक 81 (अंधेरी पूर्व/के-ईस्ट वॉर्ड) में मुकाबला काफी कड़ा है, जहाँ भाजपा ने केसरबेन पटेल को चुनावी मैदान में उतारा है, जो इस क्षेत्र के गुजराती और मारवाड़ी मतदाताओं के बीच मजबूत पकड़ रखती हैं। उन्हें टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने कविता रायसाहेब सरोज और मनसे ने शबनम शेख को टिकट दिया है, जिससे यहाँ का मुकाबला त्रिकोणीय होता दिख रहा है। यह वॉर्ड 'ओपन महिला' श्रेणी के लिए आरक्षित है।

ग्राउंड रिपोर्ट वार्ड-1

भाजपा-शिवसेना ने झोंकी पूरी ताकत

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का रेखा राम यादव को समर्थन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के वार्ड क्रमांक 1 में चुनावी माहौल तेजी से गर्मा गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने। शिवसेना–भाजपा गठबंधन की संयुक्त प्रत्याशी रेखा राम यादव को खुला समर्थन देते हुए उनकी जीत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गोयल ने दहिसर की विधायक मनीषा चौधरी समेत क्षेत्र के सभी प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर अभियान तेज करने को कहा है। केंद्रीय मंत्री के सक्रिय समर्थन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड में आक्रामक 'डोर-टू-डोर' जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। गठबंधन की ओर से घर-घर पहुंचकर विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं को मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा है।

निर्दलीय प्रत्याशी ने वापस लिया नामांकन

चुनाव में बड़ा मोड़ तब आया जब पूर्व नगरसेविका सुनीता रामनगीना यादव ने अपना नामांकन वापस ले लिया। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के निर्देश और विधायक मनीषा चौधरी के प्रयासों के बाद यह फैसला लिया गया। सुनीता यादव के हटने से रेखा यादव की स्थिति मजबूत हुई है और गठबंधन के वोटों के बंटवारे की आशंका भी समाप्त हो गई है।

उत्तर भारतीय समाज का समर्थन

रेखा राम यादव की उम्मीदवारी को उत्तर भारतीय समाज के विभिन्न संगठनों का भी व्यापक समर्थन मिल रहा है। इससे वार्ड के राजनीतिक समीकरण गठबंधन के पक्ष में झुकते नजर आ रहे हैं।

सीधा मुकाबला

गौरतलब है कि वार्ड क्रमांक-1 में मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच है। भाजपा के सक्रिय समर्थन ने इस चुनावी लड़ाई को और भी दिलचस्प बना दिया है।